सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
YouTube
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 1, अंक 72, नई दिल्ली, सोमवार, 08 जनवरी 2023, पेज 8

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

03 473 दुपहिया वाहन चालकों के काटे चालान
05 मारुति सुजुकी अर्टिगा सीएनजी : 9 महीने से ज्यादा हुआ वेटिंग पीरियड
08 'भारत जोड़ो यात्रा' भय और नफरत के खिलाफ है : राहुल गांधी

आज का सुविचार

"मन पर नियंत्रण रखना सीखे, क्युकि अनियंत्रित मन ही आपके और आपकी सफलता के बिच का काँटा है।"

इनसाइड

रोडवेज की नौ बसें हो जाएंगी कंडम, यात्रियों की बढ़ेगी परेशानी

सोनीपत। पहले से बसों की कमी झेल रहे सोनीपत रोडवेज डिपो में 9 बसें सोमवार को अपना 10 साल का कार्यकाल पूरा कर रही हैं। सोमवार को विभिन्न रूटों पर फेरे लगाकर डिपो में आने के बाद इन बसों को कंडम घोषित कर दिया जाएगा। जिससे डिपो में रोडवेज बसों की संख्या घटकर 50 रह जाएगी। ऐसे में मंगलवार से कई रूटों पर परिवहन सेवाएं बाधित हो सकती हैं। जिसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ेगा। हालांकि रोडवेज अधिकारियों का दावा है कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। सोनीपत रोडवेज डिपो में कुछ साल पहले तक रोडवेज की करीब 120 बसें थी। डिपो में नई बसें नहीं आने और हर साल पुरानी बसों के कंडम होने के कारण डिपो में बसों की लगातार कमी होती जा रही है। नवंबर माह में जहां 7 बसों को कंडम घोषित कर दिया गया था, वहीं सोमवार को 9 और बसें कंडम हो जाएंगी। जिसके बाद डिपो में रोडवेज बसों की संख्या घटकर महज 50 हर जाएगी। 23 दिनों में 16 बसों के कंडम होने से डिपो की व्यवस्था ही डगमगाने लगी है। बसों की संख्या कम होने पर मंगलवार से कई लोकल रूटों पर यात्रियों को बसों की कमी झेलनी पड़ सकती है।

ऑटो एक्सपो का वेन्यू, तारीख, समय, एंट्री फीस, अंदर क्या नहीं ले जा सकते हैं...जानें हर जानकारी

आपूर्ति श्रृंखला और सेमीकंडक्टर की कमी से जूझने वाले वाहन उद्योग के लिए यह साल मिलाजुला रहा।

संजय बाटला

नई दिल्ली। एशिया का सबसे बड़ा ऑटोमोटिव शो तीन साल के ब्रेक के बाद इस साल लौट आया है। Auto Expo (ऑटो एक्सपो) भारत में वाहन जगत का सबसे बड़ा इवेंट है जो हर दो साल में होता है। कोविड-19 महामारी से जुड़ी समस्याओं की वजह से इस ऑटोमोटिव इवेंट को 2022 में आयोजित नहीं किया जा सका था। हालांकि ऑटो एक्सपो फिर से लौटने के लिए तैयार है। इस इवेंट का आयोजन Society of Indian Automobile Manufacturers (SIAM), सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) करती है। यह भारतीय ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री की सबसे बड़ी संस्था है।

क्या होता है खास

इस इवेंट में कई तरह के नए उत्पादों, रोमांचक कॉन्सेप्ट और भविष्य की टेक्नोलॉजी को पेश किया जाएगा। ऑटो एक्सोप में विभिन्न वाहन निर्माता कंपनियां अपनी नई कारों, मोटरसाइकिलों, स्कूटरों, कॉन्सेप्ट व्हीकल्स, कमर्शियल व्हीकल्स, मोटर वाहन की टेक्नोलॉजी जैसी कई चीजों को प्रदर्शित करते हैं। इसमें मारुति सुजुकी, किआ, हुंडई, टाटा, एमजी मोटर, टॉर्क, अल्ट्रावॉयलेट और अन्य सहित कई वाहन निर्माता हिस्सा लेंगे। यदि आप भी कार प्रेमी हैं और मोटर शो में जाने की योजना बना रहे हैं, तो हम आपको यहां वह हर अहम जानकारी दे रहे हैं, जिसके बारे में आपको जानना जरूरी है।

इवेंट का वेन्यू

ऑटो एक्सपो का 16वां एडिशन पिछले कुछ बार की तरह इस बार भी इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित जा रहा है। इंडिया एक्सपो मार्ट उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में जेपी गोल्फ कोर्स के पास स्थित है। इसके साथ ही दिल्ली के प्रगति मैदान में ऑटो एक्सपो-कंपोनेंट शो आयोजित किया जाएगा। यह खास तौर पर ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री के लिए आयोजित किया जाता है।

विज्ञापन

तारीख और समय

ऑटो एक्सपो 2023 का इवेंट 13 से 18 जनवरी के बीच आयोजित किया जा रहा है। आम जनता के लिए कार्यक्रम का समय 14 और 15 जनवरी को सुबह 11 बजे से शाम 8 बजे तक, 16 और 17 जनवरी को सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक और 18 जनवरी को सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक तय किया गया है। कार्यक्रम स्थल पर शो बंद होने के समय से एक घंटे पहले लोगों की एंट्री बंद कर दी जाएगी, जबकि प्रदर्शनी हॉल में एंट्री हर दिन शो बंद होने के समय से 30 मिनट पहले बंद कर दी जाएगी।

टिकट/एंट्री फीस

ऑटो शो देखने के इच्छुक लोग BookMyShow पर ऑनलाइन टिकट खरीद सकते हैं। एंट्री टिकट की कीमत 13 जनवरी को प्रति व्यक्ति 750 रुपये, 14 और 15 जनवरी को 475 रुपये और बाद के दिनों में 375 रुपये होगी। प्रदर्शनी टिकट सिर्फ एक बार के इस्तेमाल के लिए हैं। 5 वर्ष तक के बच्चों या व्हीलचेयर वाले व्यक्तियों और उनके अटेंडेंड/हेल्पर में से किसी एक के लिए कोई टिकट की जरूरत नहीं होगी।

वेन्यू में पार्किंग सुविधा

इंडिया एक्सपो मार्ट दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के अन्य हिस्सों के साथ सड़कों और मेट्रो रेल नेटवर्क के जरिए अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। यह आठ लेन ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के जरिए मध्य दिल्ली, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से कनेक्टेड है। इसके अलावा, मेट्रो रेल और व्यक्तिगत और सार्वजनिक परिवहन के जरिए वेन्यू तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। दावा किया जाता है कि इस स्थल में लगभग 8,000 वाहनों की पार्किंग क्षमता है।

नजदीकी मेट्रो स्टेशन

एक्सपो मार्ट दिल्ली हवाई अड्डे से लगभग 55 किमी और कश्मीरी गेट आईएसबीटी से 44 किमी दूर है। दिल्ली-नोएडा मेट्रो नेटवर्क के जरिए कोई भी आसानी से आयोजन स्थल तक पहुंच सकता है। एक्सपो मार्ट का निकटतम मेट्रो स्टेशन नॉलेज पार्क II है।

प्रतिबंधित चीजें

इंडिया एक्सपो मार्ट में कार्यक्रम स्थल पर कुछ चीजों को लेकर जाने पर प्रतिबंध है। जिसमें पालतू जानवर, बाहर का खाना, अनाधिकृत साइकिल, स्केट बोर्ड, रोलर स्केट, हथियार और गोला-बारूद, खाने-पीने की चीजें, बोतलबंद पानी, पेय पदार्थ, शराब, नुकीली चीजें, लाइटर, माचिस, रेप्लिका/खिलौना हथियार, ज्वलनशील सामग्री, लेजर पॉइंटर्स, जैसी चीजें शामिल हैं। हालांकि, जिन्हें धूम्रपान की लत है उन्हें इसकी इजाजत है लेकिन सिर्फ तयशुदा जगहों पर।

क्या क्लॉक रूम की सुविधा उपलब्ध है?

नहीं, एक्सपो मार्ट में क्लॉक रूम की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसलिए, विजिटर्स को सलाह दी जाती है कि वे अपने साथ बड़े हैंडबैग, ब्रीफकेस, बैकपैक, पैकेट आदि न ले जाएं।

ऑटो एक्सपो में ये चीजें होंगी डिस्प्ले

ऑटो एक्सपो में ये चीजें प्रदर्शित की जाएंगी - द मोटर शोः कार, एमयूवी/एसयूवी, 2-पहिया, 3-पहिया, विशेष वाहन, अवधारणा वाहन, वाणिज्यिक वाहन (ट्रक और बसें), पुरानी कारें, सुपर कार और बाइक, टायर और ट्यूब, तेल कंपनियां, ऑटोमोटिव डिजाइन और टेक्नलॉजी, ऑटोमोबाइल कंपनियों, संस्थानों, विश्वविद्यालयों, आदि के लिए इंजीनियरिंग और आईटी, वित्तीय संस्थान, ऑटो बीमा कंपनियां, मीडिया और ऑटो प्रकाशन।

कोहरे की वजह से ट्रेनें 11 घंटे तक लेट, सभी उड़ानें रद्द, 107 बसों को रात में जहां के तहां रोका

एनटीवी संवाददाता

कानपुर। कोहरे के चलते कानपुर में यातायात व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गई है। दिल्ली से कानपुर सुबह छह बजे पहुंचने वाली ट्रेन 12452 श्रमशक्ति एक्सप्रेस साढ़े सात घंटे की देरी से दोपहर 1:37 बजे कानपुर सेंट्रल आई। 22435 वंदे भारत एक्सप्रेस ढाई घंटे लेट आई।

कानपुर में घना कोहरा होने से शनिवार को भी चारों उड़ानें निरस्त रहीं। 56 ट्रेनें तीन से 11 घंटे तक लेट रहीं। परिवहन निगम के निर्देश पर 107 बसों को रात में ठहराव दिया गया। इसमें कानपुर रीजन की 45 बसें शामिल थीं। सुबह आठ बजे के बाद कोहरा छंटा तो बसें निकलीं। दोपहर 12 बजे तक 35 बसों को यात्री न होने की वजह से निरस्त करना पड़ा।

इंडिगो की मुंबई, बंगलूरू और स्पाइसजेट की दिल्ली और मुंबई की उड़ानें निरस्त रहीं। यह हाल नए साल पर छठे दिन है। दो जनवरी को स्पाइसजेट की दिल्ली और मुंबई की उड़ान का संचालन हुआ था, लेकिन 2023 में इंडिगो का एक भी विमान नहीं उड़ा।

1102 लोगों ने निरस्त कराए टिकट

दिल्ली से कानपुर सुबह छह बजे पहुंचने वाली ट्रेन 12452 श्रमशक्ति एक्सप्रेस साढ़े सात घंटे की देरी से दोपहर 1:37 बजे कानपुर सेंट्रल आई। 22435 वंदे भारत एक्सप्रेस ढाई घंटे लेट आई। 12423 डिब्रूगढ़ राजधानी 6:45 घंटा, 12301 हावड़ा राजधानी 5:30 घंटे लेट, 12313 सियालदह राजधानी पांच घंटे, पूर्वा एक्सप्रेस साढ़े सात घंटे, प्रयागराज एक्सप्रेस पांच घंटे, शिवगंगा सवा आठ घंटे, राजेंद्रनगर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस 6:30 घंटे, गोमती चार घंटे लेट रही। एक्सप्रेस मेल समेत प्रीमियम ट्रेनें भी लेट रहीं।

तेजस के 956 यात्रियों को मिलेगा हर्जाना

देश की पहली कारपोरेट ट्रेन तेजस एक्सप्रेस भी पांच घंटे तक लेट रही। इसके 956 यात्रियों को 250 रुपये की दर से हर्जाना दिया जाएगा। एक घंटा लेट होने पर यात्रियों को 100 रुपये और दो घंटे या उससे अधिक देरी पर 250 रुपये प्रति यात्री हर्जाना देने का नियम है। शनिवार को लखनऊ से दिल्ली जाने वाली 82501 तेजस एक्सप्रेस सवा पांच घंटे और नई दिल्ली से लखनऊ वाया कानपुर जाने वाली 82502 तेजस एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे लेट रही।

रात में बसों के रुकने पर रैन बसेरा फुल

कोहरे की वजह से झकरकटी बस अड्डे पर 107 बसों को रोकना पड़ा। इससे बस अड्डे पर बने 30 बेड फुल रहे। इसमें 20 पुरुष और 10 महिला यात्रियों के लिए बेड हैं। इसके अलावा बाकी यात्रियों को रात में बसों के भीतर, अलाव के आसपास गुजारनी पड़ी। 107 बसों में 45 बसें कानपुर क्षेत्र के सात डिपो थीं।

वाहनों के प्रदूषण एवं फिटनेस प्रमाणपत्र कवर कराएं सभी स्कूल

एनटीवी संवाददाता

हाथरस। हाथरस डीएम अर्चना वर्मा ने निर्देश दिए कि सभी स्कूल वाहनों के लिए वैध प्रदूषण एवं फिटनेस प्रमाणपत्र से आच्छादित करा लें। दुर्घटना बहुल क्षेत्रों, ब्लैक स्पॉट्स के दोनों तरफ ब्लैक स्पॉट चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं। सड़क सुरक्षा माह को सफल बनाने को लेकर हाथरस के कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अर्चना वर्मा ने शनिवार को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की। डीएम ने परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि अनाधिकृत वाहन संचालन के खिलाफ पूरे जिले में संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया जाए। विशेष रूप से ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं अधिक सवारियां, अधिक भार लेकर संचालित हो रहे वाहनों के खिलाफ चालान करने की कार्रवाई की जाए।

डीएम ने एनएचएआई को निर्देश दिए कि जनपद में चिन्हित किए गए नवीन दुर्घटना बहुल क्षेत्रों, ब्लैक स्पॉट्स के दोनों तरफ नियमानुसार निर्धारित दूरी से पहले ब्लैक स्पॉट चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं। शीत ऋतु में कोहरे के कारण मार्गों पर दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। इन्हें रोकने के लिए एनएचएआई द्वारा टोल प्लाजा पर आने वाली समस्त गाड़ियों पर रिफलेक्टर शीट लगाने एवं यातायात नियमों का पालन कराने के लिए निर्देश दिए। डीएम ने सभी स्कूल संचालकों व प्रबंधकों को निर्देश दिए कि सभी स्कूल वाहनों को वैध प्रदूषण प्रमाणपत्र एवं वैध फिटनेस प्रमाणपत्र से आच्छादित करा लें। विधायक सिकंदराराऊ ने जिले के प्रमुख मार्गों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर आवश्यकता व नियमानुसार ब्रेकर बनाने, साइन बोर्ड लगाने एवं लाइट के उचित प्रबंध किए जाने के निर्देश दिए।

ई-बसों और सिटी बसों के लिए बनेगा मासिक पास, इतने रुपए के पास में करिए महीने भर सफर

वाराणसी। शहर में 50 ई-बस और 103 सिटी बसें चलती हैं। इन दोनों बसों से रोजाना 18 से 19 हजार यात्री सफर करते हैं। मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा की अध्यक्षता में हुई परिवहन निगम के सिटी बोर्ड में मासिक पास के प्रस्ताव को रखा गया। जिसे सहमति से पास कर दिया गया। परिवहन निगम वाराणसी परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक गौरव वर्मा ने बताया कि मासिक पास के लिए कैंट रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, गोदौलिया और मिर्जामुराद में काउंटर खोले जाएंगे। अगर आप शहर में चलने वाली ई बस और सिटी बसों में सफर करते हैं तो आपके लिए खुशखबरी है। परिवहन निगम अब इन बसों के लिए मासिक पास जारी करेगा। इसे बनवाने लिए 1368 रुपये खर्च करने होंगे। इसके अलावा दिव्यांगों के लिए सुविधाएं भी दी जाएंगी।

शहर में 50 ई-बस और 103 सिटी बसें चलती हैं। इन दोनों बसों से रोजाना 18 से 19 हजार यात्री सफर करते हैं। मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा की अध्यक्षता में हुई परिवहन निगम के सिटी बोर्ड में मासिक पास के प्रस्ताव को रखा गया। जिसे सहमति से पास कर दिया गया। परिवहन निगम वाराणसी परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक गौरव वर्मा ने बताया कि मासिक पास के लिए कैंट रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, गोदौलिया और मिर्जामुराद में काउंटर खोले जाएंगे। मासिक पास बनवाने के लिए यात्री को अपने आधार कार्ड की छाया प्रति और फोटो भी देनी होगी। इसके बाद यात्री पूरे महीने किसी भी रूट पर सफर कर सकेंगे। वर्तमान में शहर के भीतर 50 ई-बसें तथा 130 में से 103 डीज़ल बसें चल रही हैं। 27 डीज़ल बसों की फिटनेस पूरी पूरी हो चुकी है।

12 और 24 घंटे के लिए भी ई बस को करा सकते हैं बुक

अब ई बस की भी बुकिंग रोडवेज बसों की तरह होगी। इसके लिए बुकिंग राशि और समय भी तय किया गया है। शादी में 12 घंटे तक बस की बुकिंग के लिए 14 हजार 700 रुपये और 24 घंटे की बुकिंग के लिए 29 हजार रुपये तय किए गए हैं।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

पहली जनवरी को लागू होने वाले कलरकोड ऑटो व ई-रिक्शा संचालन का रास्ता साफ नहीं हो सका।

कलरकोड ऑटो और ई-रिक्शा संचालन का नहीं साफ हो सका रास्ता, दो बैठक के बाद भी नहीं निकला नतीजा

एनटीवी संवाददाता

वाराणसी। शहर में ऑटो व ई-रिक्शा के रूट निर्धारित किए गए हैं। छह जोन को बांटकर शहर में रूट का चयन किया गया है। नारंगी, हरा और धानी रंग के हिसाब से अलग-अलग जोन में ऑटो व ई-रिक्शा के संचालन का खाका खींचा गया है। नए साल से इसको सड़क पर उतारने की योजना थी। बहरहाल, नए साल पर उमड़ने वाली भीड़ के चलते इसे आगे सात जनवरी तक बढ़ाया गया।

पहली जनवरी को लागू होने वाले कलरकोड ऑटो व ई-रिक्शा संचालन का रास्ता साफ नहीं हो सका। आटो यूनियन के दबाव में कमिश्नरेट पुलिस और प्रशासन अभी ठोस निर्णय नहीं ले पा रहा है। एक जनवरी से अब तक दो बार हुई बैठक में नतीजा सिफर ही निकला। जबकि यातायात पुलिस ने अपने प्रस्ताव में आटो और ई-रिक्शा का रूट भी निर्धारित कर दिया था। यातायात पुलिस अधिकारियों के अनुसार अभी मंथन किया जा रहा है।

शहर में ऑटो व ई-रिक्शा के रूट निर्धारित किए गए हैं। छह जोन को बांटकर शहर में रूट का चयन किया गया है। नारंगी, हरा और धानी रंग के हिसाब से अलग-अलग जोन में ऑटो व ई-रिक्शा के संचालन का खाका खींचा गया है। नए साल से इसको सड़क पर उतारने की योजना थी। बहरहाल, नए साल पर उमड़ने वाली भीड़ के चलते इसे आगे सात जनवरी तक बढ़ाया गया। हालांकि भीड़ छंटने के बाद भी इसे कमिश्नरेट और जिला प्रशासन लागू नहीं कर सका। पुलिस आयुक्त मुथा अशोक जैन और जिलाधिकारी एस. राजलिंगम की ओर से यह प्लान तैयार किया गया है।

शहर में पंजीकृत ऑटो 4500, ई-रिक्शा तेरह हजार हैं। हालांकि ऑटो और ई-रिक्शा की संख्या शहर में दोगुनी है। अधिकतर बगैर परमिट के भी संचालित हो रहे हैं। जिन पर लगाम लगाने को यातायात पुलिस अभियान भी चला रही है।

डीसीपी यातायात प्रबल प्रताप सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन, कमिश्नरेट पुलिस और ऑटो यूनियन के आए प्रस्ताव पर मंथन किया जा रहा है। जल्द ही ठोस निर्णय लेकर संचालन शुरू किया जाएगा।

यह आ रही चुनौतियां

यातायात पुलिस के समक्ष कई चुनौतियां भी हैं। पंजीकृत आटो चालकों को जोनवार चिह्नित करते हुए अलग-अलग करना। अवैध आटो और ई-रिक्शा चालकों को रोकना। नगर निगम, परिवहन विभाग और यातायात पुलिस के बीच आपसी समन्वय स्थापित नहीं होने और ऑटो यूनियन के पदाधिकारियों का दबाव भी मुख्य है।

इनसाइड

हार्मोनल बदलाव ही नहीं महिलाओं की इन 5 परेशानियों को भी ठीक करती है कसूरी मेथी, ये होते हैं फायदे

आयुर्वेद में कसूरी मेथी को औषधि माना गया है। इसका उपयोग कई तरह के रोगों को ठीक करने के लिए किया जाता है। आइए जानते हैं कसूरी मेथी का सेवन करने से महिलाओं की हार्मोनल बदलाव ही नहीं महिलाओं की इन 5 परेशानियों को भी ठीक करती है कसूरी मेथी, ये होते हैं फायदे

खाने का स्वाद बढ़ाना हो या खुशबू, कसूरी मेथी का इस्तेमाल हर रसोई में किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कसूरी मेथी न सिर्फ खाने का स्वाद अच्छा करती है बल्कि सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को भी ठीक करने में मदद करती हैं। आयुर्वेद में कसूरी मेथी को औषधि माना गया है। इसका उपयोग कई तरह के रोगों को ठीक करने के लिए किया जाता है। आइए जानते हैं कसूरी मेथी का सेवन करने से महिलाओं की कौन सी 5 समस्याएं दूर होती हैं।

प्रेग्नेंसी के बाद भी फायदेमंद-

ऐसी महिलाएं जो बच्चों को स्तनपान करवाती हैं उन्हें कसूरी मेथी का सेवन जरूर करना चाहिए। कसूरी मेथी में पाए जाने वाले तत्व ब्रेस्ट मिल्क को बढ़ाने में मदद करते हैं।

एनीमिया से करें बचाव-

भारत में ज्यादातर महिलाएं एनीमिया की शिकार हैं। ऐसी महिलाओं के लिए कसूरी मेथी का सेवन बेहद फायदेमंद होता है। कसूरी मेथी में काफी मात्रा में आयरन मौजूद होता है, जो शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है। शरीर में खून की कमी होने पर अपनी डाइट में कसूरी मेथी को जरूर शामिल करें।

इंफेक्शन से करें बचाव-

पेट के इंफेक्शन से बचाव करने के साथ कसूरी मेथी का सेवन हार्ट, गैसट्रिक और आंतों की समस्याएं को भी दूर रखने में मदद करता है। अगर किसी महिला को पेट से जुड़ी कोई समस्या है तो वो कसूरी मेथी की पत्तियों को सुखाकर उसका पाउडर बना लें। इस पाउडर में नींबू की कुछ बूंदें डालकर इसे उबले हुए पानी के साथ लें।

हार्मोनल बदलाव करे ठीक-

महिलाओं की बॉडी में जीवनभर हार्मोनल बदलाव होते रहते हैं। जिसके पीछे पीरियड्स, गर्भावस्था, मेनोपॉज आदि कारण जिम्मेदार होते हैं। ऐसे में कसूरी मेथी का सेवन हार्मोनल बदलाव को कंट्रोल करके उससे होने वाली परेशानियों को कम करने में मदद करता है।

डायबिटीज करें कंट्रोल-

खानपान में गड़बड़ी का सीधा असर आपके ब्लड शुगर पर पड़ने लगता है। इसे नियंत्रित करने के लिए मेथी का प्रयोग करें। मेथी में एंटी-डायबिटिक गुण होते हैं, जो ब्लड ग्लूकोज के स्तर को नियंत्रित करते हैं। यह टाइप-2 डायबिटीज होने की संभावना को भी कम करता है।

पैरों के तलवों में छिपा है आपका भविष्य:

क्या आप जानते हैं कि पैरों की लकीरें भी हाथों की लकीरों के समान बेहद बलवान होती है। आमतौर पर आपने सुना और देखा है कि लोग अपने भविष्य को लेकर जब जब चिंतित होते हैं, तो वे तब तब उसके उपाय के लिए ज्योतिषविदों की शरण में पहुंचते हैं और अपने हाथ की रेखाओं के जरिए अपने भविष्य और वर्तमान का आकलन करते हैं। मगर इस लेख में हम आपको बताएंगे कि किस प्रकार से आपके पैर भी आपके भविष्य में होने वाली घटनाओं और यहां तक की आपके व्यापार या विवाह से संबंधी कई तरह की जानकारी खुद में समेटे हुए हैं। पैर में नजर आने वाली लकीरों को आप कभी हल्के में मत लें क्योंकि कहीं न कहीं ये लकीरें ही हमारा भाग्य लिखने में सक्षम साबित होती है। तो आईए जानते है कि पैरों के तलवे किस प्रकार व्यक्ति के भविष्य की गाथा सुनाते हैं। वो लोग जिनके पैरों के तलवे एक दम सीधे या फ्लैट होते हैं और जिनके पैर सीधा जमीन की सतह को छूते हैं, वे लोग खुली विचारधारा के होते हैं। वे काम के प्रति बेहद सतर्क और परिश्रमी होते हैं। वे हमेशा अपना काम छोड़कर पहले दूसरों की मदद के लिए हर वक्त तैयार रहते है और अपने विचारों से अन्य लोगों का दिल जीतने की भी उनमें एक अनोखी प्रकार की विधा होती है। इसके अलावा इन लोगों को अपने व्यवहार और दया भावना के लिए समाज में काफी सम्मान मिलता है। अपनी अच्छी सोच की बदौलत इन्हें जीवन में खूब सफलता हासिल होती है।

महिलाओं का फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होना बेहद जरूरी, खुद को मिलेगी नई पहचान, जानें 5 फायदे

आज दुनिया के हर क्षेत्र में महिलाओं का बोलबाला है. ऐसे में ज्यादातर महिलाएं फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होना पसंद करती हैं. कई महिलाएं आज भी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने के फायदों से अंजान रहती हैं. अगर वे चाहें तो फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट बनकर इसके कई लाभ उठा सकती हैं.

आजकल की मॉर्डन लाइफस्टाइल में महिलाओं की भूमिका महज हाउस वाइफ बनने तक सीमित नहीं है. ऐसे में ज्यादातर महिलाएं अपने करियर को लेकर भी सीरियस नजर आती हैं. वर्किंग वुमन और बिजनेस वुमन अमूमन फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होती हैं. मगर ज्यादातर महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना जरूरी नहीं समझती हैं. इसलिए हम आपसे शेयर करने जा रहे हैं महिलाओं के फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होने के कुछ फायदे, जिसे जानकर आप भी जिंदगी को बेहतर बनाने की तरफ पहला कदम बढ़ा सकती हैं.

रोजमर्रा के खर्चों में मिलेगी मदद

फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट महिलाएं घर के खर्च में परिवार का हाथ बटां सकती हैं. जहां मंहगाई के इस जमाने में सिर्फ पुरुषों की सैलरी से घर चलाना मुश्किल हो जाता है. वहीं महिलाओं की सैलरी से घर के खर्चे का बोझ आधा लगने लगता है.

खुद पर खर्च करें

फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट महिलाओं को अपने रोजमर्रा के खर्चों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है. साथ ही अपने शौक पूरे करने के लिए महिलाओं को किसी की परमिशन लेने की भी जरूरत नहीं होती है. ऐसे में महिलाएं शॉपिंग से लेकर डेली एक्सपेंसेस को खुद हैंडल कर सकती हैं.

सभी से मिलेगी रिस्पेक्ट

हाउस वाइफ्स अमूमन घर के काम करने में दिन रात एक कर देती हैं. इसके बाद भी घर के ज्यादातर सदस्य गृहणियों के काम को अहमियत नहीं देते हैं. वहीं वर्किंग वुमन या बिजनेस वुमन को घर के साथ-साथ रिश्तेदार, करीबियों और सभी जानने वालों से भरपूर सम्मान मिलता है.

अन्याय के खिलाफ उठा सकेंगी आवाज

आम गृहणियां अक्सर शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना का शिकार हो जाती हैं. ऐसे में दूसरों पर निर्भर होने के कारण महिलाओं को न चाहते हुए भी अन्याय सहना पड़ता है. वहीं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने पर महिलाएं न सिर्फ अपने बल्कि दूसरों के खिलाफ हो रहे अन्यायों पर भी आवाज उठा सकती हैं.

मिलेगी खुद की नई पहचान

फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट वुमन कॉनफीडेंस से भरपूर होती हैं. ऐसे में महिलाएं परिवार से अलग अपनी खुद की पहचान रखती हैं और ज्यादातर लोग उन्हें उनके नाम से जानते हैं. वहीं आर्थिक आजादी से महिलाओं का आत्मविश्वास प्रबल होता है और उन्हें जिंदगी में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है.

कुछ सामान्य लक्षण जो 5 तरह के गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में होते हैं कॉमन, आप भी दें ध्यान

कैंसर एक जानलेवा बीमारी है. यदि इसका समय रहते इलाज शुरू ना किया जाए तो कई गंभीर मामलों में व्यक्ति की जान चली जाती है. बॉडी में ट्यूमर सेल्स की अनकंट्रोल्ड ग्रोथ सिर्फ एक बॉडी पार्ट के लिए नहीं, बल्कि पूरे शरीर के लिए खतरे की घंटी बन सकती है. कैंसर के कुछ ऐसे प्रकार हैं, जो सिर्फ महिलाओं को इनफेक्ट कर सकते हैं. ऐसे में महिलाओं में कैंसर की समस्या ज्यादा खतरनाक हो सकती है. ओवरीज, कोख या वेजाइना जैसे फीमेल रिप्रोडक्टिव पार्ट्स पर असर करने वाले ये गाइनेकोलॉजिकल कैंसर ढेरों बड़ी परेशानियों का कारण बन सकते हैं. सही समाधान के लिए सही समय पर बीमारी की पहचान कर, सही इलाज कराना जरूरी है. दवाइयों के साथ सही ट्रीटमेंट की मदद से इन परेशानियों से निजात पाई जा सकती है. आइए जानते हैं 5 तरह के गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में कौन से आम लक्षण देखे जाते हैं :

एमडैंडरसन डॉट ओआरजी के अनुसार, वुलवर कैंसर के अलावा सभी गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में ब्लीडिंग की समस्या देखने को मिलती है.

वेजाइना से किसी भी तरह के डिस्चार्ज या ब्लीडिंग को नजरंदाज करना घातक साबित हो सकता है. पेट दर्द के साथ ही कमर दर्द भी किसी बड़े खतरे की दस्तक हो सकती है. ऐसे में सही समय डॉक्टर से परामर्श अवश्य ले लें.

-बार-बार पेशाब आना किसी गंभीर स्थिति की ओर इशारा हो सकता है. लगातार टॉयलेट जाने की शिकायत कैंसर के साथ ही अन्य परेशानियों का भी लक्षण हो सकती है. ऐसे में जल्द से जल्द डॉक्टर से सलाह करा लें.

-वेजाइना या दूसरे रिप्रोडक्टिव पार्ट्स में खुजली, जलन और ज्यादा सेंसटिविटी कैंसर का लक्षण हो सकती है. इन्फेक्शन में भी ऐसे लक्षण देखे जा सकते हैं, ऐसे में इन्हें इग्नोर करने का रिस्क लेने से बचें.

-सेक्स के दौरान या बाद में ज्यादा असामान्य दर्द महसूस होने पर जरूरी टेस्ट अवश्य करा लें. ये दर्द गाइनेकोलॉजिकल कैंसर के शुरुवाती लक्षणों में शुमार है.

-पेडू या पेल्विक एरिया में दर्द होना कैंसर की ओर संकेत करता है. बार-बार इस तरह का दर्द होने पर डॉक्टर को अवश्य दिखा लें नहीं तो समस्या के गंभीर होने की संभावना बढ़ जाती है.

-खाना खाने में असहजता, पेट जल्दी भर जाना, भूख कम लगना या सूजन भी गाइनेकोलॉजिकल कैंसर का संकेत हो सकता है. ऐसे में घबराने की जगह सही उपचार का ख्याल करें.

बच्चों की पढ़ाई को आसान बनाने वाले मेथड

कई बार मां-बाप भी बच्चों पर पढ़ाई के लिए खूब दबाव बनाते हैं। नतीजन बच्चे समझने की बजाय हर चीज को याद करने लगते हैं। जो कुछ वक्त के लिए तो ठीक है, मगर पूरी उम्र आपको उसका फायदा नहीं मिल पाता। उसकी जगह अगर हम कंटेंट को समझने लगें, तो सालों के जवाब न केवल आसान हो जाएंगे बल्कि आप खुद भी जवाब लिख सकते हैं।

पढ़ने-लिखने की जब बात आती है, तो बच्चे अकसर जवाबों को रटते हुए नजर आते हैं। जहां एक तरफ टीचर्स को कोर्स खत्म करवाने की जल्दी होती है, तो वहीं बच्चे बिना किसी सवाल का मतलब समझे उसके जवाब ज्यों का त्यों रट लेते हैं, ताकि मार्क्स में कोई कमी न रहे। कई बार मां-बाप भी बच्चों पर पढ़ाई के लिए खूब दबाव बनाते हैं। नतीजन बच्चे समझने की बजाय हर चीज को याद करने लगते हैं। जो कुछ वक्त के लिए तो ठीक है, मगर पूरी उम्र आपको उसका फायदा नहीं मिल पाता। उसकी जगह अगर हम कंटेंट को समझने लगें, तो सालों के जवाब न केवल आसान हो जाएंगे बल्कि आप खुद भी जवाब लिख सकते हैं।

क्या होता है पिक्टोरियल मैथड ?

पिक्टोरियल (Pictorial Method) यानी किसी पिक्चर से संबधित। अगर आप किसी सवाल के जवाब को याद करना चाहते हैं, तो उसे किसी तस्वीर से जोड़ दें या किसी अन्य घटना से जोड़ दें, ताकि आपको वो जवाब उम्र भर के लिए याद हो जाए। अगर आप इतिहास को याद करने में असमर्थ है, तो उसके विषयों को पिक्चर फार्म में याद करने की आदत डालें। जैसे अगर हमें समाज सुधारक राजा राम मोहन राय की बात करनी है, तो हम किसी राजा का चित्र बनाकर उनकी बताई शिक्षाओं को आसानी से बच्चों को याद करवा सकते हैं। आइए जानते हैं इसके फायदे।

देर तक रहता है याद

अगर मैंने एक बार किसी प्रश्न को किसी तस्वीर से जोड़ दिया, तो वो उम्र भर आपको भूल नहीं पाएगा। दरअसल ज्यादातर लोगों की पिक्चर मैमरी तेज होती है। इससे वो जब किसी चीज को एक बार देख लेते हैं, तो वो चीज उनके जहन में उतर जाती है। फिर उसे याद करना तो आसान है। साथ ही वो हमेशा के लिए हमारे माइंड में सेव भी हो जाता है।

विषय बन जाता है रोचक

अगर टीचर बोल-बोल कर किसी विषय पर जानकारी दे रहे हैं, तो कुछ देर बाद बच्चे बोर होने लगते हैं। कोई किताब में तस्वीर बनाता नजर आएगा, तो कहीं दो स्टूडेंट आपस में बात करने लगेंगे। ऐसे में अगर आप बतौर टीचर बच्चों को बोलने के साथ-साथ तस्वीर के जरिए बोर्ड पर साथ-साथ समझाने लगते हैं, इससे बच्चों में दिलचस्पी बनी रहती है। अगर हम बच्चों को इकोनॉमिक्स पढ़ा रहे हैं और रूपये की बात कर रहे हैं, तो रूपये का निशान बनाकर नीचे दो लकीरें खींच दें और उसकी दो टांगे बना दें। इस तरह से बच्चे लंबे वक्त तक अटैंटिव रहते हैं और विषय की रोचकता भी बनी रहती है।

बच्चों की इन्वाल्मेंट बढ़ती है

अब जो बच्चे पढ़ाई से हर वक्त जी चुराते हैं, वो भी पिक्टोरियल मैथड के जरिए मुश्किल सब्जेक्ट को भी आसानी से पढ़ लेते हैं और इंटरस्ट लेने लगते हैं। अब बच्चों में पढ़ाई के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न होने लगती है। वे अब उस सब्जेक्ट के प्रति सजग होने लगते हैं और ज्यादा जानने की इच्छा रखने लगते हैं। इससे बच्चे का जुड़ाव किताबों की ओर बढ़ने लगता है।

विषय के प्रति जानकारी बढ़ती है

अब तक बच्चे केवल उत्तर को रट रहे थे, मगर अब तरह तरह की तस्वीरों और अलग अलग प्रकार के कार्टून करेक्टर या सिम्बल क्रिएट करके वे पढ़ाई को नए तरीके से याद रख रहे हैं। इससे आपको केवल उपरी ज्ञान नहीं बल्कि विषय के बारे में गहन जानकारी हासिल हो सकती है। अब आप विषय को सीधा देखने की बजाय उसके हर एंगल को खोजने का प्रयास करेंगे, जो आपकी पढ़ाई को आसान बना देगा और आपका ज्ञानकोष भी भर देगा। इससे हर ज्ञान के समुद्र में डुबकी लगा सकते हैं और बिना याद करने का प्रयास किए कुछ पिक्चर्स के जरिए चीजों को आसान बना सकते हैं।

बच्चे क्रिएटिव बनते हैं

जब हम बच्चों को पिक्टोरियल मैथड से समझाने लगते हैं, तो नदियों और नहरों से लेकर ब्रिटिश इतिहास तक हर टॉपिक बच्चों को अब आसान लगने लगता है। दरअसल, जिन चीजों को याद करने में खूब प्रयास करते थे, वे अब बच्चे धीरे-धीरे अपने आप से कटेंट से जुड़ी तस्वीर क्रिएट करने लगते हैं। जो लेसन्स को किताब के पन्नों से उठाकर सीधा दिमाग में सेव कर देते हैं। इस तरह बच्चों का पढ़ाई से भी जुड़ाव बढ़ने लगता है और उन्हें हर विषय आसानी से याद हो जाता है। इसके अलावा ये तकनीक बच्चों को क्रिएटिव भी बनाती है। वे चीजों को एक दूसरे से इंटरलिक करने लगते है, जिससे बच्चों में ज्ञान में अपार वृद्धि होती है।

बच्चों में डिप्रेशन की समस्या हो जाएगी छू मंतर

अधिकतर ऑनलाइन कक्षाओं में बच्चों को विषयों के बारे में अलग-अलग ढंग से जानकारी देने की कोशिश की जाती है। इसमें से सबसे लोकप्रिय तकनीक है पिक्टोरियल। अगर हम बच्चों की स्कूल की किताबें उठाकर देखें, तो हर चैप्टर में मात्र एक से दो पिक्चर बनी हुई नजर आती है। मगर जैसे-जैसे क्लासिस बढ़ती चली जाती है, वैसे-वैसे पिक्चर का चलन बुक में से खत्म हो जाता है। जो पढ़ाई को बोरिंग बना देता है। बचपन की किताबों में तस्वीरें रंगबिरंगी नजर आती है और उसके बाद किताबें मोटी होती जाती है, तस्वीर भी रंगहीन हो जाती है। धीरे-धीरे बच्चों का मन पढ़ाई से ऊब जाता है। हम जब बच्चों को पढ़ाई की तरफ दोबारा मोड़ना चाहते हैं, तो कई बार ऑनलाइन क्लासिस का सहारा लेते है, जिससे बच्चे दोबारा उसी जोश के साथ पढ़ाई करने लगते हैं।

बच्चों को पढ़ाई के लिए हर बार मजबूर करना पेरेंटस और बच्चे के आपसी रिश्ते को कमजोर बना देता है। बेशक, बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए पढ़ाई जरूरी है, मगर पहले हमें उनके स्तर और जरूरतों को समझना होगा, ताकि आसानी से वे अपनी हर बात आपसे शेयर कर सकें।

ब्रीफ न्यूज

स्वास्थ्य विभाग के पास विदेश से आने वालों की सूची ही नहीं

गाजियाबाद। विदेश से आ रहे लोगों की कोरोना जांच गाजियाबाद में शुरू नहीं हो पाई है। हो भी तो कैसे जब स्वास्थ्य विभाग के पास ऐसे लोगों की सूची ही नहीं है। रेलवे स्टेशन और बस अड्डे पर कोरोना जांच का कोई इंतजाम भी नहीं किया गया है। लापरवाही सिर्फ इतनी ही नहीं है। दो महीने से नमूनों की जिनोम सिक्वेंसिंग भी नहीं कराई जा रही है। सरकारी अस्पतालों के वाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में लगने वाली मरीजों की लाइन में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने की व्यवस्था भी नहीं की गई है।

विदेश से आ रहे लोगों के बारे में ब्योरा तैयार करने का काम 10 माह से बंद है। जनवरी तक उनका यात्रा विवरण तैयार किया जा रहा था। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता ने बताया कि विदेश से आने वाले लोगों की सूची लखनऊ एयरपोर्ट ऑथोरिटी से मिलती है। यह नहीं मिल रही है। ऐसे लोगों को सात दिन के लिए आइसोलेट किया जाता है। जिनोम सिक्वेंसिंग के लिए पहले सैंपल लखनऊ भेजे जाते थे लेकिन अब यह जांच नोएडा में ही हो जाएगी। सीएमओ ने बताया कि नोएडा जिम्स में इस बार सैंपल की जांच होगी, जिससे जल्द ही रिपोर्ट मिल जाएगी।

27 को सभी जगहों पर होगी मॉकड्रिल

कोरोना की रोकथाम के लिए इंतजाम पूरे हैं या नहीं इसके लिए 27 दिसंबर को जिले में मॉकड्रिल कराई जाएगी। मरीज को कितनी जल्दी उपचार मिला, दवाओं से लेकर उपचार की स्थिति का जायजा मॉकड्रिल के जरिए लिया जाएगा। सभी आक्सीजन प्लांट, वेंटिलेटर की स्थिति को जाना जाएगा। सीएचसी-पीएचसी के स्वास्थ्य कर्मियों को भी ट्रेनिंग दी जाएगी।

सक्रिय मरीज पांच

जिले में अभी तक कोरोना का कोई भी पॉजिटिव मरीज नहीं मिला है। जिले में सक्रिय मरीजों की संख्या पांच है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि बुखार के सभी मरीजों का कोरोना टेस्ट कराया जाएगा। फिलहाल अभी तक किसी भी व्यक्ति में कोरोना की पुष्टि नहीं हुई है।

टीके खत्म... गाइडलाइन का इंतजार

जिले में कोरोना के टीके खत्म हो गए हैं। विभाग के पास 400 टीके बच्चे थे पिछले तीन दिनों में यह सभी टीके समाप्त हो गए हैं। सरकारी और निजी सभी केंद्रों से लोग निराश होकर लौट रहे हैं। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि शासन से अभी टीकाकरण शुरू करने की कोई गाइडलाइन आई है। न ही टीके मिलने की कोई सूचना है।

पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवकों को पीटा, रालोद नेता समेत तीन गिरफ्तार

गाजियाबाद। शास्त्री नगर महिंद्रा एंक्लेव में पथ संचलन के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों को स्कूटी से टक्कर लगने पर स्वयंसेवक और रालोद नेता व उनके समर्थक भिड़ गए। रालोद नेता, उसके बेटे समेत छह लोगों ने मिलकर आरएसएस के दो तीन स्वयंसेवकों को बंधक बना लिया और जमकर पिटाई कर दी। दोनों पक्षों में जमकर बवाल हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्वयंसेवकों को छुड़ाया। आरएसएस के स्वयंसेवकों की ओर से रालोद से मेयर टिकट के दावेदार अरविंद तेवतिया, उसके बेटे साहिल और एक अन्य युवक नरेंद्र समेत छह को नामजद कर 20-22 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने तीन को गिरफ्तार कर लिया है।

दोपहर 12:30 बजे आरएसएस के बाल स्वयंसेवक पथ संचलन कर रहे थे। इसमें आठ से 14 साल के बच्चे शामिल थे। स्वयंसेवक गिरीश कुमार का कहना है कि इस दौरान साहिल समेत तीन लोग स्कूटी पर आए और हॉर्न बजाने लगे। बच्चे साइड हो गए लेकिन उसने बच्चों को स्कूटी से टक्कर मार दी। कई बच्चों को चोटें आई हैं। स्वयंसेवक वीरेंद्र के विरोध करने पर साहिल ने गाली-गलौज कर उनसे मारपीट शुरू कर दी और अपने अन्य साथियों को बुला लिया। अरविंद तेवतिया, उसका बेटा साहिल, नरेंद्र चौधरी अपने साथी विशाल, अंकुर तेवतिया, सचिन तेवतिया अपने 14-15 साथियों के साथ लाठी-डंडे लेकर आए और हमला कर लिया। स्वयंसेवक जान बचाने के लिए भागने लगे तो उन्होंने स्वयंसेवक दुशासन राय, धर्मेंद्र मिश्रा को पकड़कर बंधक बना लिया और गमछे से गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। पुलिस ने मौके पर पहुंच दोनों को उनके चंगुल से छुड़ाया। पुलिस ने रालोद कार्यकर्ता अरविंद तेवतिया, उसके बेटे साहिल तेवतिया और नरेंद्र तेवतिया को गिरफ्तार कर लिया है।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर चलने वाले 473 दुपहिया वाहन चालकों के काटे चालान

कोहरे में सड़क हादसों को रोकने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने यह विशेष अभियान चलाया था

एनटीवी संवाददाता

गाजियाबाद। प्रतिबंध के बावजूद दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर दोपहिया और तीन पहिया वाहनों से सफर करने वालों के खिलाफ शनिवार को ट्रैफिक पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। आठ प्वाइंट पर तैनात की गई यातायात पुलिस की टीम ने 473 वाहनों के ई-चालान किए। नो एंट्री क्षेत्र में प्रवेश कर यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर अब प्रत्येक वाहन चालक को 20 हजार रुपये का जुर्माना भरना पड़ेगा।

कोहरे में सड़क हादसों को रोकने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने यह विशेष अभियान चलाया था। अपर पुलिस उपायुक्त यातायात रामानंद कुशवाहा ने बताया कि ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर दोपहिया व तीन पहिया वाहनों पर प्रतिबंध है। वाहन चालकों को इसकी सूचना देने के लिए जगह-जगह साइन बोर्ड भी लगाए गए हैं। इसके बावजूद दोनों एक्सप्रेसवे पर लोग प्रतिबंधित वाहनों को लेकर सफर कर रहे हैं। शनिवार को गौर ग्रीन के सामने निकास स्थल, एबीईएस के सामने विजयनगर साइड, आईएमएस कॉलेज के सामने, वेदांता फार्म हाउस के सामने टोल प्लाजा, दया स्टील एजेंसी के सामने टोल प्लाजा, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के पलवल और कुंडली की ओर से आने वाले निकास बिंदु समेत आठ स्थलों पर चेकिंग कराई गई। सहायक पुलिस आयुक्त यातायात, यातायात निरीक्षक-प्रथम, द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ और इंटरसेप्टर टीम ने वाहनों के चालान किए।

एक्सप्रेसवे पर 106 लोगों की गई जान

वर्ष 2022 में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न परिफेरल एक्सप्रेसवे पर 168 सड़क दुर्घटनाएं हुईं। इनमें 106 लोगों की जान गई और 125 लोग घायल हुए हैं। 28 जुलाई 2022 को दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर अज्ञात वाहन के स्कूटी में टक्कर मार देने से तीन महिलाओं की मौत हो गई थी। बीते साल 18 अगस्त को ट्रक और ईको कार की भिड़ंत में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई थी। इनके अलावा ऐसी सड़क दुर्घटनाएं भी हुईं जिनमें लोगों को मामूली चोटें आई और वाहन चालकों ने इनकी सूचना पुलिस को नहीं दी।

चालान से भी नहीं सुधरे

बीते साल दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर विपरीत दिशा में वाहन चलाने पर 12081 वाहनों के चालान किए गए। नो पार्किंग के 17485 चालान, प्रतिबंधित वाहनों के 6986 चालान, तेज रफ्तार से वाहन चलाने पर 81348 लोगों के ई-चालान किए गए। बीते साल यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 563 ऑटो को सीज किया गया। इसके बावजूद लोग यातायात नियमों का उल्लंघन करने से नहीं हिचक रहे हैं।

28 कालेजों की गवर्निंग बाडी के गठन में लगेगा एक माह से अधिक समय

एनटीवी संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध दिल्ली सरकार के 28 कालेजों की गवर्निंग बाडी (जीबी) के गठन में एक माह का समय लग सकता है। गवर्निंग बाडी में अपने-अपने पक्ष के ज्यादा से ज्यादा लोगों को सदस्य बनाने को लेकर अक्सर डीयू प्रशासन व दिल्ली सरकार में खींचतान देखने को मिलती है।

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से संबद्ध दिल्ली सरकार के 28 कालेजों की गवर्निंग बाडी (जीबी) के गठन में एक माह का समय लग सकता है। इसके कई कारण सामने आ रहे हैं। पहला कारण अभी तक दिल्ली सरकार की ओर से जीबी के सदस्य के लिए प्रत्येक कालेज के लिए अपने हिस्से के पांच-पांच नामों की सूची अभी तक उच्च शिक्षा निदेशालय को नहीं भेजी गई है।

इसलिए भी इन 28 कालेजों की जीबी के गठन में देरी हो रही है। निदेशालय के पास सूची पहुंचने के बाद सूची को डीयू भेजा जाएगा। दिल्ली सरकार के सूत्रों के अनुसार सरकार ने जीबी के लिए नामों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दो से तीन दिन में सरकार की ओर से नाम जाने की संभावना है। इसके बाद जीबी के गठन देरी का तीसरा सबसे मुख्य कारण है डीयू प्रशासन द्वारा विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद (ईसी) की बैठक को फरवरी के पहले सप्ताह में प्रस्तावित करना।

डीयू और दिल्ली सरकार दोनों अगर सदस्य के लिए नामों को लेकर सहमत हो जाते हैं, इसके बावजूद भी जीबी का गठन फरवरी से पहले ईसी द्वारा नामों को मंजूरी न मिलने के कारण नहीं हो पाएगा। हालांकि, गवर्निंग बाडी के गठन को लेकर दिल्ली सरकार व डीयू प्रशासन के बीच चलने वाली खींचतान कोई नई बात नहीं है। ऐसा कई बार देखने को मिला है। गवर्निंग बाडी में अपने-अपने पक्ष के ज्यादा से ज्यादा लोगों को सदस्य बनाने को लेकर अक्सर डीयू प्रशासन व दिल्ली सरकार में खींचतान देखने को मिलती है।

ऐसा इसलिए होता है क्योंकि किसी भी कालेज को चलाने, उसमें नियुक्तियां करने व अन्य ढांचागत कार्य कराने सहित अधिकतर अधिकार गवर्निंग बाडी के पास होते हैं। इस समय डीयू के कालेजों में प्राचार्यों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मियों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। इसलिए गवर्निंग बाडी के गठन का मामला अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। जिन कालेजों में सिर्फ सुबह की कक्षाएं चलती हैं उनमें 15 सदस्यीय व जिनमें सुबह और शाम दोनों समय की कक्षाएं चलती हैं उनमें 20 सदस्यीय जीबी का गठन होता है।

जीबी के सदस्यों के नामों को मंजूरी मिलने के बाद सदस्यों में से अध्यक्ष का चुनाव होता है। इसके बाद गवर्निंग बाडी अस्तित्व में आती है और कालेज का कामकाज संभालती है। इसका कार्यकाल एक साल का होता है। इसके अलावा डीयू के अन्य 51 कालेजों की जीबी के गठन में कोई समस्या नहीं होती क्योंकि वे कालेज प्रशासनिक व अकादमिक रूप दोनों तरह से डीयू के अंतर्गत आते हैं।

दिल्ली सरकार के 28 कालेजों की गवर्निंग बाडी (जीबी) का कार्यकाल विगत 16 दिसंबर को खत्म हो चुका है। इससे इन कालेजों में चल रही स्थाई प्राचार्य, शिक्षक व शेक्षणेत्तर कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया रूक गई है। इनमें से 20 कालेजों में कई साल से स्थाई प्राचार्य नहीं हैं।

श्री अरबिंदो कालेज, मोतीलाल नेहरू कालेज, सत्यवती कालेज, शहीद भगत सिंह कालेज, श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज, विवेकानंद कालेज, भारती कालेज, अदिति कालेज, इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कालेज, महाराजा अग्रसेन कालेज, राजधानी कालेज, दीनदयाल उपाध्याय कालेज, आचार्य नरेंद्र देव कालेज, भगिनी निवेदिता कालेज, गार्गी कालेज, कमला नेहरू कालेज, शिवाजी कालेज, महर्षि वाल्मीकि कालेज आफ एजुकेशन, मैत्रीय कालेज, भीमराव अंबेडकर कालेज, लक्ष्मीबाई कालेज, भास्कराचार्य कालेज आफ एप्लाइड साइंसेज, दिल्ली कालेज आफ आर्ट एवं कामर्स, कालिंदी कालेज, केशव महाविद्यालय, शहीद राजगुरू महिला कालेज, शहीद सुखदेव कालेज आफ बिजनेस स्टडीज, स्वामी श्रद्धानंद कालेज हैं।

पांच सदस्य दिल्ली सरकार
पांच सदस्य दिल्ली विश्वविद्यालय
दो विश्वविद्यालय प्रतिनिधि
संबंधित कालेज के प्राचार्य
संबंधित कालेज के वरिष्ठ प्रोफेसर

भारत जोड़ो यात्रा की सफलता से कांग्रेस गदगद, इसे बनाए रखने के लिए पार्टी को करनी होगी कड़ी मेहनत

एनटीवी संवाददाता

शनिवार को देश की राजधानी में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा (Bharat Jodo Yatra) को जो अपार जन समर्थन मिला उससे प्रदेश कांग्रेस भी खासी उत्साहित है। सबसे अहम बात यह कि तमाम वरिष्ठ कांग्रेसियों में अब इस बात पर भी गहन मंथन शुरू हो गया है।

नई दिल्ली। शनिवार को देश की राजधानी में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा (Bharat Jodo Yatra) को जो अपार जन समर्थन मिला, उससे प्रदेश कांग्रेस भी खासी उत्साहित है। सबसे अहम बात यह कि तमाम वरिष्ठ कांग्रेसियों में अब इस बात पर भी गहन मंथन शुरू हो गया है कि दिल्ली में कांग्रेस के प्रति जनता के इस उत्साह को बरकरार कैसे रखा जाए और उसे आने वाले चुनावों में वोट में कैसे तब्दील किया जाए।

इन नेताओं का यह भी मानना है कि अगर इस बार भी ढील बरती गई तो फिर भविष्य में दोबारा ऐसा मौका पता नहीं, कब मिल पाएगा।

गौरतलब है कि तकरीबन एक दशक पहले जब निर्भया कांड के बाद कांग्रेस दिल्ली की सत्ता से बाहर हुई तो उसके बाद फिर इसका ग्राफ लगातार गिरता ही गया है। आज आलम यह है कि न दिल्ली से पार्टी का कोई सांसद है, न ही विधायक। पार्षदों की संख्या भी पांच प्रतिशत से कम है। पार्टी को अच्छा वोट मिलना तो दूर की बात, दिल्ली वासी इनकी गतिविधियों में भी कोई खास दिलचस्पी नहीं लेते।

दिल्ली में कांग्रेस के लिए संजीवनी से कम नहीं है भारत जोड़ो यात्रा

इस हालात के बीच राहुल की यात्रा में जिस हद तक लोग जुटे एवं शामिल हुए, वो दम तोड़ती कांग्रेस के लिए संजीवनी से कम नहीं है। वैसे 2017 और 2021 में रामलीला मैदान में हुई राहुल की रैलियों में भी बड़ी संख्या में लोग जुटे थे, लेकिन रैलियों की भीड़ को जहां प्रायोजित मान लिया जाता है। वहीं यात्रा में शामिल भीड़ को लेकर ऐसा नहीं था। कमोबेश हर वर्ग के लोग इसमें स्वेच्छा से शामिल हुए। अब इस समर्थन को बनाए रखना पार्टी के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है।

बदलाव और कड़ी मेहनत की जरूरत

प्रदेश कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेता (पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व मंत्री और पूर्व सांसद) स्वीकार करते हैं कि इसके लिए संगठन के स्तर पर कड़ी मेहनत करने की जरूरत है।

सभी प्राइवेट स्कूलों को 15 जनवरी तक बंद रखने के निर्देश, शीत लहर को लेकर सरकार का फैसला

दिल्ली सरकार ने प्राइवेट स्कूलों की भी 15 जनवरी तक छुट्टी कर दी है। दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय सभी निजी स्कूलों को बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि सरकारी स्कूलों का 1-15 जनवरी तक पहले ही अवकाश है। दिल्ली में बढ़ती सर्दी के बीच दिल्ली सरकार ने प्राइवेट स्कूलों की भी 15 जनवरी तक छुट्टी कर दी है। दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय सभी निजी स्कूलों को बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि इससे पहले दिल्ली सरकार के निर्देश पर सरकारी स्कूलों की एक जनवरी से 15 जनवरी तक पहले ही छुट्टी कर दी है।

एयरपोर्ट पर पुलिसकर्मियों ने चेकिंग के बहाने दो यात्रियों से लूटा एक किलो सोना, दोनों गिरफ्तार

विदेश से आए व्यापारियों से दो पुलिसकर्मियों ने वसूला एक किलो सोना, सस्पेंड के बाद हुए गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस के दो कर्मियों को सस्पेंड कर गिरफ्तार किया गया है। दोनों पर 20 दिसंबर को आईजीआई एयरपोर्ट पर विदेशों से आए दो यात्रियों से 50 लाख रुपये का सोना जब्त करने का आरोप है। पुलिस दोनों के खिलाफ विभागीय जांच कर रही है।

नई दिल्ली। जब रक्षक ही भक्षक बन जाए तो फिर क्या कहना। राजधानी में एक ऐसा ही हैरान करने वाला मामला सामने आया है। आइजीआइ एयरपोर्ट थाने में तैनात दिल्ली पुलिस के दो हवलदार ने मस्कट व दुबई से आए दो यात्रियों को चेकिंग के बहाने रोककर उनसे एक किलो सोना लिया। घटना के चार दिन बाद डीसीपी एयरपोर्ट को शिकायत मिलने के बाद दोनों हवलदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया।

रविवार को दोनों को ड्यूटी मजिस्ट्रेट के सामने पेश कर तिहाड़ जेल भेज दिया गया है। दोनों को निलंबित भी कर दिया गया है। इनके बर्खास्तगी की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

कई सालों से एयरपोर्ट पर तैनात हैं आरोपित

पुलिस अधिकारी के मुताबिक, आरोपित हवलदारों के नाम रोबिन व गौरव है। दोनों कई सालों से आइजीआइ एयरपोर्ट थाने में तैनात थे। जिन दो यात्रियों से सोना लूटा गया उनमें एक पाली, राजस्थान का रहने वाला सलाउद्दीन व दूसरा तेलंगाना का रहने वाला शेक खादर बाशी शामिल है।

मस्कट से लौटा था शख्स

सलाउद्दीन ने शिकायत में कहा है कि 28 अप्रैल 2020 को वह पहली बार कतर गया था। वहां 18 महीने एक कंपनी में काम करने के बाद वह वापस भारत लौट आया था। बीते 28 नवंबर को दूसरी बार वह मस्कट गया था। ठेकेदार द्वारा मजदूरी के कम पैसे देने के कारण वह फिर भारत लौट आया।

दूसरे शख्स ने सोना भारत ले जाने के लिए सौंपा

मस्कट में उसके साथ राजस्थान का रहने वाला सिकंदर भी काम करता था, जिसने दिल्ली लौटने के दौरान उसे 600 ग्राम सोना दिल्ली ले जाने के लिए दिया था। उसे बताया गया कि एयरपोर्ट पर बाहर निकलने के बाद उसके पास किसी शख्स का फोन आएगा, जिसे वह सोना सौंप दें। सोना ले जाने के एवज में वह शख्स उसे पैसे भी देगा। 19 दिसंबर की रात साढे दस बजे सलाउद्दीन, मस्कट से दिल्ली आ गया। 20 दिसंबर की तड़के तीन बजे टर्मिनल तीन के बाहर से टैक्सी लेकर जब वह महिपालपुर के लिए निकला तब चालक ने दो और सवारी बैठा लिया।

दोनों पुलिसकर्मियों ने सोने को लेकर की पूछताछ

कुछ दूर आगे जाते ही एक पुलिस जिप्सी में सवार दोनों पुलिसकर्मियों ने टैक्सी रुकवा ली और उसे जिप्सी में बैठा लिया। टैक्सी चालक को जिप्सी के पीछे आने को कहा गया। आइजीआइ एयरपोर्ट थाने के बाहर पहुंचने पर पुलिसकर्मियों ने उससे सोना के बारे में पूछताछ की।

सोना लेकर पुलिसकर्मी शख्स के साथ जंगल पहुंचे

भारत जोड़ो यात्रा की सफलता से कांग्रेस गदगद, इसे बनाए रखने के लिए पार्टी को करनी होगी कड़ी मेहनत

कुछ देर बाद टैक्सी चालक को वहां से भेजकर पुलिसकर्मी, सलाउद्दीन से सोना अपने कब्जे में लेकर उसे एक निजी कार में बैठा जंगल में आ गए। वहां पुलिसकर्मियों ने पहले सलाउद्दीन की खूब पिटाई की और डराते हुए कहा कहा कि वह यह बात किसी से न बताए। पुलिसकर्मियों से उसके फोन को रिसेट कर सिम भी तोड़ दिया।

इसके बाद उसे 2500 रुपये देकर ओला कैब से धौलाकुआं भेज दिया। वहां से बस पकड़ कर वह जयपुर चला गया। घर पहुंचकर उसने सिकंदर से बात कर आपबीती बताई। उसके बाद सिकंदर ने राजस्थान के रहने वाले रामस्वरूप को सलाउद्दीन का नंबर दिया। रामस्वरूप ने उक्त सोना उसका होने का दावा कर सलाउद्दीन को दिल्ली बुलाया।

कोहरे के चलते उत्तर भारत में 42 ट्रेनें लेट

20 से ज्यादा विमानों की उड़ान-लैंडिंग में देरी

एनटीवी न्यूज

दिल्ली-एनसीआर सहित पूरे उत्तर भारत कड़ाके की ठंड से कांप रहा है। शीतलहर और कोहरे के चलते आम जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। लोगों को ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है। दिल्ली-एनसीआर में शीतलहर के साथ-साथ रविवार सुबह कोहरा छाया रहा। कोहरे की मोटी परत ने राष्ट्रीय राजधानी को ढक लिया जिससे दृश्यता कम हो गई। बढ़ती ठंड को देखते हुए लोग घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। घने कोहरे के चलते सड़क और रेल यातायात भी प्रभावित है। राष्ट्रीय राजधानी में भीषण कोहरे और ठंड के कारण हवाई यात्री भी परेशान हैं। कोहरे के चलते दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ने वाली कई फ्लाइट्स लेट हो गई। खराब मौसम के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर करीब 20 फ्लाइट्स देरी से चल रही हैं। एक अधिकारी ने कहा कि सुबह छह बजे तक किसी विमान के मार्ग में परिवर्तन की सूचना नहीं थी। यात्रियों का कहना है कि कड़ाके की ठंड के बीच एयरपोर्ट पर दृश्यता बहुत कम है। वहीं, कोहरे के कारण उत्तर रेलवे क्षेत्र में 42 ट्रेनें देरी से चल रही हैं।

वहीं, शनिवार को सर्दी ने इस सीजन का रिकॉर्ड तोड़ दिया। न्यूनतम तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस रहा। रिज इलाका एक बार फिर ठिठुरा, यहां तापमान सामान्य से 5.6 डिग्री कम 1.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। लोदी रोड में 2.0, आयानगर में 3.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। इससे पहले वर्ष 2021 में एक जनवरी को तापमान 1.1 डिग्री

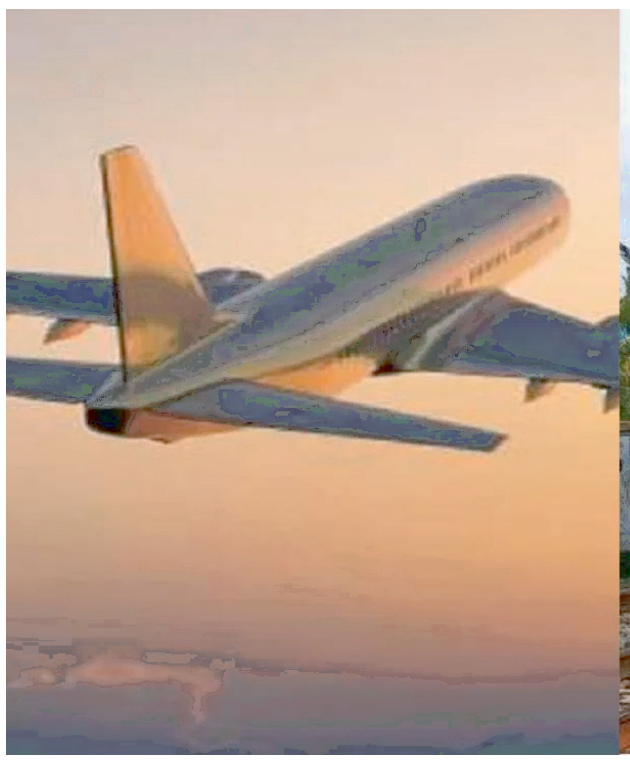

दर्ज हुआ था। जबकि बीते साल 2022 में सीजन के सबसे ठंडे दिन का रिकॉर्ड एक जनवरी को था जब तापमान 4.2 डिग्री सेल्सियस रहा था। वहीं 2020 में एक जनवरी को तापमान 2.4 डिग्री सेल्सियस था।

दिल्ली-एनसीआर में शिमला, नैनीताल व मनाली से भी ज्यादा ठंड

दिल्ली-एनसीआर में हिल स्टेशन से भी ज्यादा ठंड पड़ रही है। शनिवार को इन इलाकों में तापमान चार डिग्री से ऊपर रहा। जबकि एनसीआर के इलाकों में न्यूनतम तापमान दो से चार डिग्री के बीच दर्ज हुआ। शिमला में न्यूनतम तापमान 7.8, नैनीताल में 5.8, मनाली में पारा 4.0 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि गुरूग्राम में न्यूनतम तापमान 2.5, फरीदाबाद में 3.4, नोएडा में 3.7 और गाजियाबाद में न्यूनतम तापमान 4.1 डिग्री सेल्सियस रहा।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से फिर गलन बढ़ेगी

मौसम विभाग के अनुसार उत्तर पश्चिम भारत में एक नया पश्चिमी विक्षोभ दस्तक दे रहा है। इसका असर तीन से चार दिन बाद मैदानी इलाकों में पड़ेगा। इस कारण से एक बार फिर से गला देने वाली ठंड की वापसी होगी। अभी विभाग ने सोमवार से शीत लहर से राहत मिलने की संभावना जताई है। इस कारण से 13 जनवरी तक न केवल अधिकतम तापमान बढ़ेगा, बल्कि न्यूनतम तापमान भी 8 डिग्री तक पहुंच जाएगा। यह केवल फौरी राहत होगी। कोहरे से अगले सप्ताह तक राहत मिलने की संभावना नहीं है।

ऐसे गिरा न्यूनतम तापमान

01 जनवरी	5.5 डिग्री
02 जनवरी	7.6 डिग्री
03 जनवरी	8.5 डिग्री
04 जनवरी	4.4 डिग्री
05 जनवरी	3.0 डिग्री
06 जनवरी	4.0 डिग्री
07 जनवरी	2.2 डिग्री

STF ने पकड़ा पुलिस कस्टडी से भागा 50 हजार का इनामी

गाजियाबाद से भागकर वह सीधे दिल्ली पहुंचा था। दिल्ली के बाद पंजाब और फिर उज्जैन में तीन साल के दौरान अनुज ने कई ठिकाने बदले। अनुज की अभिरक्षा में तैनात सिपाही रामवीर सिंह को निलंबित कर गिरफ्तार कर लिया गया था।

गाजियाबाद। तीन साल पहले कचहरी परिसर से भागे सामूहिक दुष्कर्म के आरोपित को आखिरकार एसटीएफ नोएडा ने शनिवार को आइएसबीटी कश्मीरी गेट से गिरफ्तार कर लिया। फरार होने के कारण आरोपित की गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया था। एसटीएफ ने शनिवार शाम आरोपित को थाना कविनगर पुलिस को सुपुर्द कर दिया।

दिल्ली, पंजाब व उज्जैन में छिपा रहा

एसटीएफ के एडिशनल एसपी आरके मिश्र ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित गौतमबुद्धनगर के तिलपता में डिफेंस कालोनी में रहने वाले अनुज रावत है। अनुज, संदीप, अमन व अरुण के खिलाफ थाना कविनगर में साल 2016 में नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगा एक युवती ने केस दर्ज कराया था।

पुलिस ने उसे 22 सितंबर 2017 को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। 17 दिसंबर 2019 को सुनवाई के दौरान वह पुलिसकर्मी को झांसा देकर कचहरी परिसर से फरार हो गया था। गाजियाबाद से भागकर वह सीधे दिल्ली पहुंचा था। दिल्ली के बाद पंजाब और फिर उज्जैन में तीन साल के दौरान अनुज ने कई ठिकाने बदले। अनुज की अभिरक्षा में तैनात सिपाही रामवीर सिंह को निलंबित कर गिरफ्तार कर लिया गया था। अनुज और रामवीर के खिलाफ थाना कविनगर में केस भी दर्ज किया गया था।

सुशील फौजी गिरोह से जुड़ गया था आरोपित

एसटीएफ को अनुज ने बताया कि मेरठ में 12वीं की पढ़ाई के दौरान उसके एक सहपाठी से सुशील फौजी गिरोह का सुमित जाट मिलने आता था। सुमित से मिलकर वह सुशील फौजी गिरोह के संपर्क में आया था। फरार होने के बाद इसी गिरोह की मदद से वह एक के बाद एक ठिकाने बदलता रहा। गाजियाबाद पुलिस उसे पकड़ने में नाकाम रही। एसटीएफ ने मुखबिर तंत्र के जरिए शनिवार को आइएसबीटी से आरोपित को उस समय दबोच लिया, जब वह जगह बदलकर किसी और जगह भागने की फिराक में था।

नाले में पड़े ATM से रुपये लूटने को दौड़ पड़े बच्चे, नहीं माना कोई बच्चा या बड़ा, पढ़ें पूरा मामला

गाजियाबाद। नाले में पैसे बिखरने की सूचना पर पुलिस पहुंची तो लोग नाले से कुछ दूर हटने को तैयार हुए। पुलिस ने जांच की तो मामला कुछ और ही निकला। गाजियाबाद के साहिबाबाद के शालीमार गार्डन में शनिवार शाम करीब पांच बजे नाले में एटीएम फेंकने की सूचना पर छोटे-छोटे बच्चे और लोगों की भीड़ पैसे लूटने के लिए टूट पड़ी। टूटे-फूटे मकान के बाहर खड़े कुछ बच्चे और स्थानीय लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे थे लेकिन कोई बच्चा या बड़ा मानने को तैयार नहीं था। नाले में पैसे बिखरने की सूचना पर पुलिस पहुंची तो लोग नाले से कुछ दूर हटने को तैयार हुए। पुलिस ने जांच की तो मामला कुछ और ही निकला। मामला यह है कि शालीमार गार्डन के 80 फुटा रोड पर जगदीश नाम के व्यक्ति का मकान था। उसने 2016 में एक बैंक से मकान के कागजात गिरवी रखकर लोन लिया था। कुछ समय तक वह किस्त अदा करता रहा, लेकिन किस्त अचानक बंद होने पर बैंक ने कई बार नोटिस देकर लोन का पैसे जमा करने के लिए कहा लेकिन वह किस्त नहीं दे पाया। इसके बाद निजी बैंक के पदाधिकारियों ने मकान सील कर दिया। इसी मकान में जगदीश ने निजी कंपनी की मदद से पंजाब नेशनल बैंक का एटीएम लगाया हुआ था लेकिन ठेकेदार एटीएम का बिजली बिल जमा नहीं कर पा रहा था। इस कारण ऊर्जा निगम ने भी एटीएम में ऊर्जा आपूर्ति को बंद कर दी थी। उधर, बैंक ने मकान को बेचने के लिए नीलामी की थी। इस बीच एक व्यक्ति ने मकान खरीद लिया था। अब वह उसे खाली करने के बैंक पदाधिकारियों से मांग कर रहा था। शनिवार को दोनों बैंक के पदाधिकारी मिलकर मकान से एटीएम हटवा रहे थे। मकान और सड़क के बीच नाले को पार करने के लिए बैंक पदाधिकारियों ने उस पर लकड़ी के फट्टे रखवा दिए लेकिन जैसे ही कर्मचारियों ने एटीएम को बाहर निकालने के लिए फट्टे पर रखा।

एमडी बोले- मल्टी प्वाइंट कनेक्शन है सोने पे सुहागा, लोगों ने फिर भी कहा ना बाबा ना

एनटीवी

अजनारा इंटेग्रिटी एओए के सचिव वेंकटेश ने कहा कि सत्यापन के नाम पर आई टीम ने सहमति या असहमति के संबंध में हुई आम सभा की बैठक का विवरण मांगा जिसके लिए इन्कार कर दिया गया क्योंकि सिर्फ सहमति असहमति की ही मांग की गई थी।

गाजियाबाद। मल्टी प्वाइंट कनेक्शन को लेकर शहर की अधिकांश सोसायटियों ने विरोध का बिगुल बजा रखा है। इसी बीच शनिवार शाम को पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) की ओर से मल्टी प्वाइंट कनेक्शन के लिए न कहने वाली राजनगर एक्सटेंशन की 14 सोसायटियों में कैंप लगाकर सत्यापन किया गया।

पीवीवीएनएल के एमडी अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने कई सोसायटियों में जाकर मल्टी प्वाइंट के फायदे गिनाए, लेकिन एओए व रेजिडेंट्स को मना नहीं पाए। सभी 14 सोसायटियों ने दोबारा इन्कार कर दिया। सत्यापन के लिए लखनऊ से भी पांच टीम आई थीं।

एमडी व टीम को सोसायटी में नहीं घुसने दिया

एसजी इंप्रेशंस प्लस सोसायटी में एमडी और उनकी टीम को घुसने भी नहीं दिया गया। इसको लेकर पीवीवीएनएल के अधिकारियों और एओए पदाधिकारियों में फोन पर कहासुनी भी हुई। पदाधिकारियों ने पटेलनगर के अधिशासी अभियंता एसपी सिंह पर धमकी देने का आरोप लगाया तो वहीं एसपी सिंह का कहना है कि विभागीय टीम को रोकना सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाना है। पदाधिकारियों ने ही अवर अभियंता के साथ अभद्रता की है।

सत्यापन का नियम कब बना?

एओए पदाधिकारी शुक्रवार से ही इस सत्यापन के विरोध में थे। पीवीवीएनएल ने सोसायटियों में इस शिविर के लिए नोटिस चस्पा किए थे, जिसके बाद कई सोसायटियों की एओए ने पत्र लिखकर पीवीवीएनएल की टीम को सोसायटी में न आने के लिए कहा। साथ ही पत्र कार्यालय में रिसीव भी कराए। एओए का सवाल है कि पहले 51 प्रतिशत की सहमति असहमति का नियम बताया गया। यह विभाग को उपलब्ध करा दी तो अब सत्यापन का नियम बता रहे हैं। यह नियम आखिर कब बना।

एमडी से सिर्फ एक ही बात पूछी कि मल्टी प्वाइंट के बाद सोसायटी में फाल्ट के लिए जिम्मेदार कौन होगा, जिस पर जवाब मिला कि विद्युत विभाग नहीं होगा। ऐसे में मल्टी प्वाइंट के लिए हां किस आधार पर कहते। - धर्मेंद्र चौधरी, अध्यक्ष, केडीपी ग्रैंड सवाना एओए।

सरकारी कार्य तब होता, जब सत्यापन का नियम होता। अधिकारी राजस्व का हवाला देकर सीधे-सीधे मल्टी प्वाइंट के लिए दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं। इसीलिए एमडी को भी स्पष्ट रूप से इन्कार कर दिया। - सुबोध त्यागी, अध्यक्ष, रिवर हाईट्स एओए।

डीएमई पर दो व तीन पहिया वाहनों पर रोक, पुलिस से हुआ सामना तो काम न आया बहाना

एनटीवी

दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस पर लगातार बढ़ रहे हादसे को रोकने के लिए DME पर दो व तीन पहिया वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। DME पर चेकिंग कर ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार को 473 दोपहिया वाहनों के 20-20 हजार रुपये चालान काटे।

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे (डीएमई) के आठ प्वाइंट पर चेकिंग कर ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार को 473 दोपहिया वाहनों के 20-20 हजार रुपये चालान काटे। चेकिंग के लिए पुलिसकर्मियों के रोकने पर वाहन चालकों ने तमाम बहाने बनाए। किसी ने कहा कि उन्हें जानकारी नहीं है कि डीएमई और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (ईपीई) पर दो व तीन पहिया वाहन प्रतिबंधित हैं। वहीं जब पुलिसकर्मियों से 20 हजार रुपेय के चालान की बात सुनी तो लोग मिन्नतें करने लगे। कहने लगे कि सर आज के बाद दोबारा आऊं तो वाहन ही जब्त कर लेना। हालांकि पुलिसकर्मियों ने किसी की भी कोई दलील नहीं सुनी और वाहन का फोटो खींचकर तुरंत मोबाइल से 20 हजार रुपये का चालान कर दिया।

एसीपी ट्रैफिक अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि ईपीई पर दोपहिया वाहन कभी-कभी ही दिखते हैं, लेकिन डीएमई पर हर समय, हर प्वाइंट पर स्कूटी व बाइक सवार दिख जाते हैं। इनके कारण हादसे हो रहे हैं। इसीलिए सड़क सुरक्षा माह के तहत इस चेकिंग की शुरुआत की गई है। पहले दिन 473 दो पहिया वाहनों के चालान काटे हैं। शनिवार के बाद भी यह कार्रवाई जारी रहेगी। विशेष अभियान के कारण पहले दिन सिर्फ चालान किए गए हैं। अब डीएमई पर चलने वाले दो पहिया वाहन चालकों को रोककर दस्तावेज भी चेक करेंगे। अधूरे दस्तावेज वाले वाहनों को तुरंत सीज करेंगे। बाकी के 20 हजार रुपये के चालान किए जाएंगे।

एडीसीपी ट्रैफिक रामानंद कुशवाहा ने बताया कि ट्रैक्टर, बुग्गी चालक व तीन पहिया वाहन के चालक एक्सप्रेस-वे पर नहीं आते। बाइक और स्कूटी सवार कार्रवाई के बाद भी नहीं मान रहे, जबकि एक्सप्रेसवे पर 100 किमी की स्पीड से चल रहे वाहनों की चपेट में आने से दोपहिया वाहन चालक लगातार हादसे का शिकार हो रहे हैं। इसीलिए इन आठ प्वाइंट पर अब रोजाना चेकिंग कर चालान किए जाएंगे। कार्रवाई से बचने को एनएच-नौ या वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें और अपने साथ दूसरों की भी जान बचाएं।

ब्रीफ न्यूज

नोएडा पुलिस ने नष्ट की साढ़े तीन करोड़ से ज्यादा की 60 हजार लीटर शराब, कई साल में कई गई थी जब्त

नोएडा। दिल्ली से सटे नोएडा (उत्तर प्रदेश) में पुलिस द्वारा सीज की 60 हजार लीटर जहरीली शराब नष्ट कर दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि कोर्ट के आदेश के बाद शराब खत्म कर दी गई जो पिछले कई सालों में पकड़ी गई थी। दिल्ली से सटे नोएडा (उत्तर प्रदेश) में पुलिस द्वारा सीज की 60 हजार लीटर जहरीली शराब नष्ट कर दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि कोर्ट के आदेश के बाद शराब खत्म कर दी गई, जो पिछले कई सालों में पकड़ी गई थी। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि साल 2015 से 2022 तक पुलिस ने 500 पेटी में शराब जब्त की। उन्होंने बताया कि शनिवार को अवैध शराब को नष्ट कर दिया गया।

अवैध शराब ने थानों में जगह का कर लिया था कब्जा

द्विवेदी ने कहा कि सेक्टर-39 और सेक्टर-20 पुलिस स्टेशनों द्वारा जब्त की गई लगभग 60,000 लीटर शराब को उचित प्रक्रियाओं के बाद नष्ट कर दिया गया है। यह शराब इन पुलिस स्टेशनों में भंडारण स्थान पर कब्जा कर रही थी। इस शराब की कीमत 3.80 करोड़ रुपये आंकी गई थी। इसी तरह 19 वाहनों की नीलामी की गई है, जिन्हें इन मामलों में सेक्टर 20 थाना पुलिस ने इंपाउंड किया था। इनमें पांच चार पहिया और 14 दोपहिया वाहन शामिल हैं। द्विवेदी ने कहा कि इन वाहनों की नीलामी से बरामद राशि को राज्य के खजाने में जमा किया जाएगा।

यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते आगरा से नोएडा आ रही कार नीचे गिरी, छह घायल

टूंडला के रहने वाले गोपाल आगरा के प्रवीण कुमार शर्मा विमल कुमार मौहर सिंह संतोष व नोएडा के रहने वाले विकास आगरा से ईको कार द्वारा यमुना एक्सप्रेस वे रास्ते नोएडा आ रहे थे। उसी दौरान दयानतपुर गांव के समीप टायर फटने से गाडी अनियंत्रित होकर एक्सप्रेसवे से नीचे गिरी। आगरा से नोएडा आ रही एक ईको कार शुक्रवार शाम को अनियंत्रित होकर यमुना एक्सप्रेसवे पर गांव दयानतपुर के समीप रैलिंग तोड़ते हुए नीचे गिर गई। हादसे में कार सवार छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जेवर स्थित कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टूंडला के रहने वाले गोपाल, आगरा के प्रवीण कुमार शर्मा, विमल कुमार, मौहर सिंह, संतोष व नोएडा के रहने वाले विकास आगरा से ईको कार द्वारा यमुना एक्सप्रेस वे रास्ते नोएडा आ रहे थे। उसी दौरान दयानतपुर गांव के समीप टायर फटने से गाडी अनियंत्रित होकर एक्सप्रेसवे से नीचे जा गिरी। हादसे में कार में सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस व जेपी इंफ्राटेक की राहत टीम ने घायलों को जेवर स्थित कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया। वहां गंभीर रूप से घायल गोपाल व विकास का आइसीयू में भर्ती है, जबकि अन्य मामूली रूप से घायल हुए हैं। जिनका उपचार भी अस्पताल में चल रहा है।

देखते ही देखते लोगों की पहली पसंद बन गया ये इलेक्ट्रिक स्कूटर, इसे खरीदने टूट पड़े लोग

नई दिल्ली. भारतीय बाजार में अब इलेक्ट्रिक व्हीकल ना सिर्फ लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रहे हैं, बल्कि इनकी सेल्स के आंकड़ों में भी रिकॉर्ड ग्रोथ देखने को मिल रही है। पिछले महीने 30 अक्टूबर तक 68,234 इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की सेल्स हुई। इस तरह इसमें 29% की रिकॉर्ड मंथली ग्रोथ देखने को मिली। इस ग्रोथ से ये बात साफ है कि अब लोगों को भरोसा इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की तरफ बढ़ रहा है। पिछले 2-3 महीनों के दौरान इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर में आग लगने के मामले भी सामने नहीं आए हैं, जिससे ये भरोस मजबूत हो रहा है। पिछले महीने ओला इलेक्ट्रिक को 53% की मंथली ग्रोथ मिली।

ओला इलेक्ट्रिक ने 15095 यूनिट बेचीं

ओला इलेक्ट्रिक अक्टूबर 2022 में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बेचने वाली कंपनी बनी। उसने बीते महीने 53% की मंथली ग्रोथ के साथ 15,095 यूनिट बेचीं। लिस्ट में दूसरे नबंर पर ओकिनावा रही। इसने 38% की मंथली ग्रोथ के साथ 11,754 यूनिट सेल कीं। तीसरे नंबर पर एम्पीयर रही। इसने 36% की मंथली ग्रोथ के साथ 8812 यूनिट बेचीं। टीवीएस मोटर्स को 31% और बजाज ऑटो को 26% की मंथली ग्रोथ मिली। जबकि एथर एनर्जी को 11% की मंथली ग्रोथ मिली।

सितंबर में भी ओला इलेक्ट्रिक रही नंबर-1

सितंबर में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की 52,957 यूनिट्स बिकीं। जबकि अगस्त में ये आंकड़ा 50,474 यूनिट्स का था। यानी हर महीने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में ग्रोथ दिख रही है। सितंबर 2022 में ओला इलेक्ट्रिक ने 9,616 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे। कंपनी नवरात्रि-दशहरा ऑफर के चलते अपने ई-स्कूटर पर 10 हजार रुपए का डिस्काउंट दे रही थी। जिसके चलते इसे फायदा मिला। अक्टूबर में भी फेस्टिवल ऑफर के चलते ओला इलेक्ट्रिक को फायदा मिला।

ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर के फीचर्स

3 सेकेंड में 0 से 40 km की स्पीडः ओला ने S1 स्कूटर में 8.5 किलोवॉट पीक पावर जनरेट करने वाली मोटर लगाई गई है। इस मोटर को 3.9 किलोवॉट कैपेसिटी वाली बैटरी से जोड़ा गया है। ये 0 से 40 किलोमीटर की स्पीड सिर्फ 3 सेकेंड में पकड़ लेता है। इसकी टॉप स्पीड 115 किमी प्रति घंटा है। सिंगल चार्ज पर ये 181 किमी तक की रेंज देता है। इसमें राइडिंग के लिए नॉर्मेल, स्पोर्ट और हाइपर मोड मिलते हैं।

6 घंटे में फुल चार्जः स्कूटर के साथ कंपनी 750 वॉट का पोर्टेबल चार्जर देगी। इसकी मदद से बैटरी 6 घंटे में फुल चार्ज हो जाएगी। वहीं, ओला के हाइपरचार्जर स्टेशन पर 18 मिनट में 50% बैटरी चार्ज करा सकते हैं।

रिवर्स मोड भी मिलेगाः स्कूटर में रिवर्स मोड भी मिलेगा। इसकी मदद से गाड़ी को पार्किंग में लगाने में आसानी होगी। यदि किसी चढ़ाई वाली जगह पर स्कूटर को रोकना पड़ता है, तब मोटर उसे जगह पर रोककर रखेगी। यानी राइडर को स्पीड देने या उसे मेंटेन करने की जरूरत नहीं होगी। इसमें क्रूज कंट्रोल मिलेगा, इससे स्कूटर को एक ही स्पीड में चला पाएंगे। इसके फ्रंट और रियर दोनों में डिस्क ब्रेक मिलेंगे। फ्रंट में मोनोशॉकर्स मिलेंगे।

7-इंच का डिस्प्ले मिलेगाः ओला ने इस स्कूटर में 7-इंच का टचस्क्रीन डिस्प्ले दिया है, जो मूव ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ आता है। डिस्प्ले काफी शार्प और ब्राइट है। ये वाटर और डस्टप्रूफ है। इसमें ऑक्टा-कोर प्रोसेसर और 3GB रैम के साथ चिपसेट दिया है। ये 4G, वाईफाई और ब्लूटूथ कनेक्टिविटी को सपोर्ट करता है।

स्कूटर के साथ कोई चाबी नहीं मिलेगीः स्कूटर के साथ कंपनी चाबी नहीं दे रही है। आप इसे स्मार्टफोन ऐप और स्क्रीन की मदद से लॉक-अनलॉक कर पाएंगे। इसमें सेंसर दिए हैं, जिससे आप जैसे ही स्कूटर के पास आएंगे स्कूटर नाम के साथ हाय करेगा और दूर जाने पर नाम के साथ बाय करेगा।

स्कूटर का स्पीडोमीटर बदल पाएंगेः इसके डिस्प्ले में जो स्पीडोमीटर मिलेगा, उसमें कई तरह के फेस मिलेंगे। जैसे आप डिजिटल मीटर, पुराने गाड़ी जैसा मीटर या दूसरा फॉर्मेट चुन पाएंगे। खास बात है कि आप जैसा मीटर सिलेक्ट करेंगे स्कूटर से उसी तरह का साउंड आएगा।

मारुति सुजुकी अर्टिगा सीएनजी : 9 महीने से ज्यादा हुआ वेटिंग पीरियड

मारुति सुजुकी अर्टिगा ZXI सीएनजी की कीमत 11.60 लाख (एक्स-शोरूम, दिल्ली) है। इस एमपीवी (MPV) की डिमांड मार्केट में इतनी ज्यादा है कि इस कार का वेटिंग पीरियड 9 महीने से भी ज्यादा है।

नई दिल्ली. मारुति सुजुकी की एक कार को खरीदने के लिए लोग उस पर ऐसा टूटे कि गाड़ी का वेटिंग पीरियड 9 महीने से ज्यादा बढ़ गया है। जी हां, हम मारुति सुजुकी की बेहतरीन एमपीवी अर्टिगा सीएनजी की बात कर रहे हैं। मारुति सु जु की अर्टिगा ZXI सीएनजी की कीमत 11.60 लाख (एक्स-शोरूम, दिल्ली) है। इस एमपीवी (MPV) की डिमांड मार्केट में इतना ज्यादा है कि इस कार का वेटिंग पीरियड लगातार बढ़ता ही जा रहा है। मारुति सुजुकी ने हाल ही में बलेनो सीएनजी और XL6 सीएनजी की लॉन्चिंग के साथ अपने सीएनजी कारों के पोर्टफोलियो को बढ़ा लिया है। इसके साथ ही कंपनी-फिटेड सीएनजी किट के साथ अपने मॉडलों के लाइनअप का विस्तार कर रही है।

अर्टिगा पर 9 महीने से ज्यादा का वेटिंग पीरियड

अपडेटेड अर्टिगा को अप्रैल में लॉन्च किया गया था और बाद में इसमें S-CNG तकनीक को एक विकल्प के रूप में जोड़ा गया था। इसके सीएनजी वैरिएंट की मांग इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि अभी नौ महीने से ज्यादा का वेटिंग पीरियड चल रहा है। जानकारी की माने तो सेमीकंडक्टर की कमी के चलते कंपनी मांग के अनुसान प्रोडक्शन करने में सक्षम नहीं है।

सीएनजी कारों की बंपर डिमांड

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड में मार्केटिंग एंड सेल्स के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक शशांक श्रीवास्तव ने कहा कि सीएनजी कारों के लिए लगभग 1.23 लाख यूनिट की बुकिंग वेटिंग में है। उन्होंने सीएनजी वाहनों की मांग के बारे में बताते हुए कहा कि पिछले साल सीएनजी वाहनों के लिए प्रतिदिन बुकिंग 1,300 और 1,400 के बीच थी। वहीं, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह संख्या बढ़कर करीब 1,500 हो गई थी। सीएनजी की कीमतों में वृद्धि के कारण यह फिर से 1,300 और 1,400 के बीच आ गई और तब से यह ऐसी ही बनी हुई है। लेकिन क्या एक किलो सीएनजी और एक लीटर पेट्रोल की कीमतों के बीच का अंतर इसके ग्राहकों के लिए एक निवारक है। इस पर श्रीवास्तव का कहना है कि सीएनजी की मौजूदा कीमतें अस्थायी हैं। लेकिन, लोग अब पहले से ज्यादा जागरूक भी हैं और ग्राहक भी अब कम उत्सर्जन करने वाली कारें चाहते हैं।

मारुति सुजुकी 2010 में लाई थी अपने सीएनजी मॉडल

आपको बता दें कि मारुति सुजुकी ने पहली बार 2010 में अपने मॉडल में सीएनजी तकनीक लाई थी, जब एस-सीएनजी को वैगनआर और ईको में पेश किया गया था। कंपनी ने डीजल कारों को बनाना पूरी तरह से बंद कर दिया है, इसलिए वह केवल पेट्रोल और पेट्रोल-सीएनजी रणनीति पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

डेली के काम झटपट निपटाने हीरो ने लॉन्च की 2 नई इलेक्ट्रिक साइकिल

नई दिल्ली. भारतीय बाजार के इलेक्ट्रिक साइकिल सेगमेंट की सबसे बड़ी कंपनी हीरो लेक्ट्रो (Hero Lectro) ने दो नई ई-साइकिल लॉन्च की हैं। इन साइकिल के नॉडल H3 और H5 हैं। दोनों ई-साइकिल GEMTEC पावर्ड हैं। H3 की कीमत 27,499 और H5 की कीमत 28,499 रुपए है। H3 को दो कलर ऑप्शन ब्लिसफुल ब्लैक-ग्रीन और ब्लेजिंग ब्लैक-रेड में खरीद पाएंगे। वहीं, H5 को ग्रूवी ग्रीन और ग्लोरियस ग्रे कलर में खरीद सकते हैं। दोनों साइकिल की सिंगल चार्ज पर रेंज 30km तक है। हीरो लेक्ट्रो की इन न्यू इलेक्ट्रिक साइकिलों को मजबूती देने के साथ हल्का रखने के लिए GEMTEC मैटिरियल का इस्तेमाल किया गया है। इसमें एक नई राइड ज्योमेट्री और स्मार्ट फिट एर्गोनॉमिक्स मिलता है, जिसे हीरो साइकिल्स के R&D सेंटर में डिजाइन और डेवलप किया गया है। इन GEMTEC ई-साइकिलों को कंपनी की D2C वेबसाइट के साथ-साथ हीरो लेक्ट्रो के 600 से ज्यादा डीलरों के नेटवर्क, ई-कॉमर्स चैनलों से खरीद सकते हैं।

360 डिग्री कैमरा, एडजेस्टेबल सीट, 120km की रेंज; दमदार इलेक्ट्रिक स्कूटर के साथ LML की वापसी

नई दिल्ली. 90 के दशक की पॉपुलर कंपनी LML भारतीय बाजार में एक बार फिर वापसी को तैयार है। कंपनी ने बीते दिनों अपने पहले इलेक्ट्रिक स्कूटर स्टार की बुकिंग को भी ओपन कर दिया है। वो बाजार में अपनी तीन प्रोडक्ट उतारेगी। आप स्टार ई-स्कूटर को कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर बुक कर सकते हैं। LML के मुताबिक, स्टार में एडजस्टेबल सिटिंग, एक इंटरैक्टिव स्क्रीन, एक फोटोसेंसेटिव हेडलैंप मिलेगा। साथ ही, इसमें 360 डिग्री कैमरा, हैप्टिक फीडबैक और LED लाइटिंग जैसे फीचर्स भी मिलेंगे। 90 के दशक में LML का वेस्पा स्कूटर काफी पॉपुलर रहा है। हालांकि, समय के साथ देश के अंदर LML की गाड़ियों की पॉपुलैरिटी कम हो गई थी। भारतीय बाजार में LML स्टार का मुकाबला टीवीएस आईक्यूब, बजाज चेतक, एथर, ओला इलेक्ट्रिक, ओकिनावा, प्योर ईवी, हीरो इलेक्ट्रिक जैसी कंपनियों के कई मॉडल से हो सकता है।

ज्यादा रेंज, स्पीड और टेक्नोलॉजी से लैस

कंपनी अपने इस पहले इलेक्ट्रिक स्कूटर स्टार की बुकिंग बिना किसी टोकन अमाउंट के साथ कर रही है। यानी आप बिन पैसे दिए इसकी प्री-बुकिंग कर सकते हैं। LML के MD और CEO डॉ. योगेश भाटिया ने कहा, रहमें यह घोषणा करते हुए

खुशी हो रही है कि हमारे प्रमुख प्रोडक्ट LML स्टार के लिए बुकिंग शुरू हो गई है। हमें यकीन है कि LML स्टार हमारे ग्राहकों के इलेक्ट्रिक व्हीकल के प्रति पहले से बढ़ रहे स्नेह और अपेक्षाओं को सही ठहराएगा। हमारे प्रोडक्ट ज्यादा रेंज, अच्छी स्पीड और एडवांस टेक्नोलॉजी से लैस हैं।

LML स्टार ई-स्कूटर के फीचर्स

कंपनी के मुताबिक, स्टार इलेक्ट्रिक स्कूटर बेहतर राइडिंग एक्सपीरियंस देगा। इसमें एडजेस्टेबल सीटिंग, एक इंटरैक्टिव स्क्रीन, एक फोटोसेंसेटिव हेडलैंप मिलेगी। इसमें 360 डिग्री कैमरा, हैप्टिक फीडबैक और LED लाइटिंग जैसे फीचर्स भी मिलेंगे। स्कूटर बेहद मजबूत डिजाइन के साथ आएगा। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर के फ्रंट में ब्लैक कलर का एप्रिन दिया गया है। स्कूटर में एक 7-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल भी दिख रहा है। इसमें ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, नेविगेशन, सहित कई दूसरे फीचर्स मिलने की उम्मीद है। अपने इलेक्ट्रिक व्हीकल की टेक्नोलॉजी और डिजाइन को डेवलप करने के लिए LML इलेक्ट्रिक ने जर्मन इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी ईरॉकिट (eROCKIT) के साथ हाथ मिलाया है।

सिंगल चार्ज पर 120Km होगी रेंज

खबर है कि LML इलेक्ट्रिक हाइपरबाइक लॉन्च करेगी जो पैडल-असिस्ट टेक्नोलॉजी से लैस होगी। इस मोटरसाइकिल के बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है। माना जा रहा है हि जर्मन प्रोडक्ट बेस्ड यह इलेक्ट्रिक बाइक फुल चार्ज पर 120Km की रेंज देगी। इसकी इलेक्ट्रिक मोटर 20 बीएचपी की पावर जनरेट करेगी। इस हाइपरबाइक की टॉप स्पीड 90 किमी/घंटा हो सकती है। यह सभी मौसमों में सेफ्टी के साथ IP67-रेटेड बैटरी, कंट्रोल के लिए हैप्टिक फीडबैक और उन लोगों के लिए एक इन-बिल्ट GPS के साथ आता है जो अक्सर लंबी राइड करते हैं। इस इलेक्ट्रिक हाइपरबाइक की डिलीवरी जनवरी 2023 में शुरू होगी। इसके बाद कंपनी इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करेगी और इसकी डिलीवरी अगस्त 2023 से शुरू होगी।

हाइपरबाइक क्या है ?

ईरॉकिट (eROCKIT) एक पैडल-पावर्ड इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल है, जिसे हाइपरबाइक भी कहा जाता है। ये आसानी से पैडलिंग के साथ चलती है। इसकी टॉप स्पीड 90 किमी/घंटा से ज्यादा है, जो एडवांस बैटरी और इलेक्ट्रिक डायरेक्ट ड्राइव

नए साल के जोश में न खोएं होश! वाहन चलाते समय जरूर बरतें ये सावधानी

न्यू ईयर का जश्न मनाने के लिए लोग पार्टियां करते हैं और बहुत से लोग ऐसे हैं जो एल्कोहल पीने के बाद ड्राइव करते हैं। ऐसे में हिदायत दी जाती है कि वाहन चलाते समय शराब का सेवन बिल्कुल भी न करें।

नई दिल्ली। क्रिसमस डे से लेकर न्यू ईयर तक लोगों के अंदर एक अलग ही उत्साह रहता है। इस समय ऑफिस और स्कूल की छुट्टियां होने की वजह से लोग रोड ट्रिप या फिर पार्टी का प्लान बना रहे हैं। हालांकि, इस दौरान बहुत से लोग लॉ एंड ऑर्डर के खिलवाड़ भी करते हैं, जिससे निपटने के लिए पुलिस प्रशासन काफी सख्त है। इसलिए, इस खबर में आपको बताने जा रहे हैं उन खास नियमों के बारे में जिसे फॉलो करना अनिवार्य है।

रश ड्राइविंग

रश ड्राइविंग करना यातायात नियमों का उल्लंघन करना है। इसलिए ध्यान रहे क्रिसमस और न्यू ईयर की छुट्टियों के जोश में आप रश ड्राइविंग करते हुए ना पकड़े जाएं नहीं तो आपको भारी जुर्माना अदा करना पड़ सकता है।

नो पार्किंग जोन में गाड़ी खड़ी करना

न्यू ईयर छुट्टियों में लोग लेट नाइट पार्टी करते हैं सड़को खूब घूमते हैं। क्रिस्मस से लेकर न्यू ईयर तक रोड पर भीड़ भाड़ भी काफी दिखाई देती है एक वाहन मालिक होने के नाते आप अपनी गाड़ी को पार्किंग जोन में ही पार करें। अगर आप अपने वाहन को नो पार्किंग जोन में पार्क करते हुए पाए गए तो आपकी गाड़ी स्टोर हो सकती है।

ड्रिंग एंड ड्राइव

न्यू ईयर का जश्न मनाने के लिए लोग पार्टियां करते हैं और बहुत से लोग ऐसे हैं जो एल्कोहल पीने के बाद ड्राइव करते हैं। ऐसे में हिदायत दी जाती है कि वाहन चलाते समय शराब का सेवन बिल्कुल भी न करें। ड्रिंक एंड ड्राइविंग करते समय अगर ट्रैफिक पुलिस आपको पकड़ती है तो आपको भारी भरकम चालान का सामना करना पड़ सकता है।

इसके अलावा इस दौरान पब्लिक प्लेस पर हुडदंग कतई ना करें, क्योंकि प्रशासन इस समय काफी सतर्क है और आप पर कड़ी कार्रवाई हो सकती है। बहुत से लोग टोल नाके पर टोल देने या फिर पार्किंग एरिया में पार्किंग शुल्क अदा करने से बचने के लिए लड़ाई करते हैं। ऐसे लोगों को सलाह दी जाती है कि इस दौरान ऐसा करने से बचें।

ईवी और ईंधन से चलने वाली गाड़ियों में कौन बेहतर ? यहां दूर होगा आपका कन्फ्यूजन

अगर आप अपने लिए नए साल पर एक कार खरीदने की सोच रहे हैं पर ईवी और पेट्रोल कार लेने में कंफ्यूज हैं तो आज आप इन सवालों का जवाब हम लेकर आए हैं। चलिए समझते हैं इन आसान प्वाइंट्स में।

नई दिल्ली। इस समय ईवी को लेकर बहुत सारे लोगों के मन में कन्फ्यूजन है। नई गाड़ी खरीदने से पहले लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि ईवी खरीदें या फिर ईंधन से चलने वाली कारें। इसलिए, इस खबर के माध्यम से आपको बताने जा रहे हैं इन दोनों ऑप्शन के खासियतों के बारे में, ताकि आपको अपनी ड्रीम कार खरीदने में आसानी हो और फायदा भी।

इलेक्ट्रिक कार

भारतीय बाजार में इस समय ईवी का चलन काफी तेजी से बढ़ते जा रहा है। इसके लिए सरकार भी काफी तेजी से काम कर रही है और लोगों को इसके प्रति जागरूक भी कर रही है।लेकिन इस समय मार्केट में इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत काफी अधिक है जिसे मीडिल क्लास के लोग खरीदने में सोचते हैं। हालाकिं भारतीय बाजार में मौजूद कई बड़ी कंपनियां इस पर काम कर रही है ताकि हर कोई ईवी को खरीद सके और कई कंपनियों ने लोगों के बजट के हिसाब से भी कार निकाली है।

पेट्रोल - डीजल

लेकिन आज भी पेट्रोल डीजल की गाड़ियों का दबदबा बरकरार है। लोग इलेक्ट्रिक कारों को चार्जिंग के कारण भी नहीं खरीदते हैं क्योंकि चार्जिंग एक सबसे बड़ी समस्या है। ईवी को भविष्य माना जाता है, इसके लिए सरकार भी कई जगहों नए -नए चार्जिंग स्टेशनों को लगाने का काम भी कर रही है। इस साल हमने भारतीय बाजार में कई बड़ी इलेक्ट्रिक कारों की लॉन्चिंग देखी । जिसमें कई बड़ी कंपनियां शामिल है।

भारत में आज भी पेट्रोल डीजल की गाड़ियों को ईवी से अधिक पसंद किया जाता है। भले ही इसकी कीमत बढ़ रही है लेकिन फिर भी लोगों में इसका क्रेज बरकरार है। आम धारणा है कि अगर सस्ती कार, कम मेंटेनेंस और कम रनिंग है तो पेट्रोल कार बेस्ट ऑप्शन होती है।

संपादकीय विशेष

संपादक की कलम से

छोटे से सत्र का दायरा बड़ा

तपोवन विधानसभा सत्र के छोटे से शीतकालीन सत्र ने कई बड़े चेहरे दिखा दिए। हर बार हिमाचल के नए आगाज की एक छोटी सी पारी अगर तपोवन से दिखाई देती है, तो इस बार इसके संदर्भ सत्ता और विपक्ष के लिए कुछ अनचिन्हित अध्यायों की तरह भी हैं। कांग्रेस कभी वीरभद्र सिंह की छांव में चलती थी, लेकिन इस बार मुकुट और मंजिल बदली है। पहली बार सत्ता के दरिया नादौन के तट पर बहती ब्यास नदी में समाहित हो रहे हैं, तो इस एहसास की छटा में तपोवन के इतिहास को भी कुछ नया लिखने का अवसर दिया। पहली बार एक साथ 23 नए सदस्यों ने विधानसभा में प्रवेश किया, तो बतौर अध्यक्ष कुलदीप पठानिया एक सम्मानित भूमिका में सदन के अग्रज बन गए। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर अब नेता प्रतिपक्ष हैं, तो सदन के मुकाबले में उनका आगाज तल्खियां ले आया। देखना यह होगा कि सदन से सडक़ तक विपक्ष के तेवर जयराम ठाकुर के व्यक्तित्व को कितना निखार पाते हैं, तो दूसरी ओर सदन से सचिवालय तक पहुंचते सत्ता के कदम कितने कोस चल पाते हैं। परंपराएं बदलने के इच्छुक मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू के अंदाजे-बयां के चर्चे सदन से सचिवालय तक हैं, तो मंत्रिमंडल के रूप में अब सरकार की शुरुआत का जिक्र भी कुछ हट कर होगा। राज्यपाल के अभिभाषण में आश्वासन तो हैं, लेकिन सरकार अपने चरित्र को पूरी तरह स्पष्ट करने के लिए वक्त ले रही है और इस तरह आगामी बजट सत्र ही बताएगा कि वर्तमान सरकार अपनी आर्थिक परिस्थितियों के बीच कौनसा जादू दिखा सकती है। बहरहाल मंत्रिमंडल के गठन में देखना होगा कि सरकार के बीच किस-किस नेता का जादू चल गया। फिलहाल सरकार के घोड़े विश्राम कर रहे हैं और एक तरह के सन्नाटे के बीच 'खुल जा सिम सिम' जैसा माहौल हर छोटे बड़े नेता को अग्नि परीक्षा में तो डाल ही चुका है। ऐसे में सरकार के अब तक के जोरदार प्रदर्शन के बावजूद इंतजार यही है कि क्या मुख्यमंत्री मंत्रिमंडल के सहयोगी चुनने में भी जोरदार साबित होते हैं। जो भी हो यह मानना पड़ेगा कि वर्तमान सरकार अपनी कसौटियों व करवटों में सबके ऊपर भारी पडने का जज्बा रखती है और इसलिए नए कार्यालयों व संस्थानों की डिनोटिफिकेशन के मुद्दे पर अब तक विपक्ष अपने विद्रोही शब्दों का प्रवाह नहीं बना पाया है। सरकार के परिचय में भले ही एक छोटा सा सत्र गुजर गया, लेकिन सत्ता की चमक सुखविंदर सिंह सुक्खू के केंद्र में रही। कांगड़ा के सरकारी डेरे में ख्वाहिशों का जमघट भले ही धौलाधार की चांदी छूना चाहता हो, मगर अभी शीत की अदा में सारी चिंगारियां शांत हैं। एक सरकार जिसे अपने मंत्रियों के चेहरे दिखाने हैं, तमाम गारंटियों को व्यावहारिक बनाना है तथा ओपीएस के मुद्दे पर कर्मचारी राहों को संबल देना है, उसके लिए तपोवन सिर्फ एक कथ्य की तरह सबूत बन गया। राज्यपाल का अभिभाषण भले ही सीमित शब्दों में बड़ा दिखाना चाहता हो, लेकिन सरकार बिना तिलक लगाए अपने वादों के मोर्चे पर विजयी होते दिखना चाहती है। सत्ता की डगर स्पष्ट है, कदम भले ही छोटे-बड़े होते रहें। दूसरी ओर मंत्रिमंडल का संतुलन अपनी बाध्यता के साथ भले ही देरी से सामने आने वाला है, लेकिन इस बार कांग्रेस अपनी फौज को अनुशासित रखने की तरकीब जान चुकी है। उम्मीद है सत्र से दिल्ली और दिल्ली से सत्र तक मुख्यमंत्री का जाना-आना, इन्हीं इरादों के फलक का इजाफा कर रहा है। ऐसे में अगला पूरा सप्ताह सरकार के गलियारों को नई आशाओं से भर सकता है, तो पूरे मंत्रिमंडल की बैठक में हिमाचल अपने भविष्य के सुर सुन सकता है। अभी तक सरकार में 'सवा लाख से एक लड़ाऊं' की परिभाषा में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह अपराजेय नजर आ रहे हैं, तो इसी शक्ति की परछाई में अब मंत्रियों के चेहरे व विभागीय आबंटन देखा जाएगा।

MCD सदन में हुए हंगामे से उभरते सवाल मांग रहे जवाब

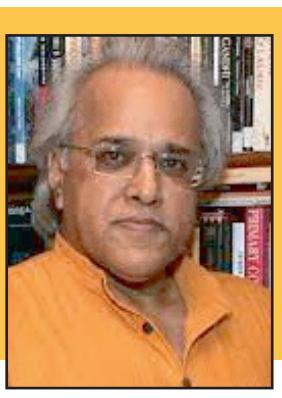

कमलेश पांडेय

भाजपा का आरोप है कि आप पार्षदों ने पूर्व नियोजित योजना के आधार पर हंगामा और मारपीट की। यह दिल्ली के लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हंगामा कर पार्षदों को शपथ लेने से रोक दिया है। भाजपा ने सदन में हुई इस घटना की जांच कराने की मांग करते हुए आप कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई की जरूरत बताई है।

दिल्ली नगर निगम के मुख्यालय सिविक सेंटर में 6 जनवरी 2023 को आहूत शपथ ग्रहण समारोह के दौरान और उसके पश्चात होने वाले महापौर के चुनाव से पहले सत्ताधारी आप और विपक्षी भाजपा के पार्षदों ने जो अपना रौद्र रूप दिखाया है, उससे कई सवाल उपजना लाजिमी है।यदि समय रहते इन सवालों का जवाब मिल जाये तो वह भारतीय लोकतंत्र के लिए शुभ रहेगा।

पहला, शपथ ग्रहण समारोह के बीच एमसीडी के प्रशासक उपराज्यपाल द्वारा नामित 10 पार्षदों को पहले शपथ दिलाए जाने के सवाल पर आप के नवनिर्वाचित पार्षदों ने जिस तरह से विरोध जताया और फिर बीजेपी पार्षदों ने भी नहले पर दहला वाली प्रतिक्रिया दी, उसके बाद तो दोनों खेमों के बीच एमसीडी सदन में लात-घूंसे और कुर्सियां सबकुछ चलीं। यह सिलसिला आखिर कबतक थमेगा। क्योंकि सदन में संख्या बल में आप और बीजेपी में मामूली सा अंतर है।

दूसरा, इस अप्रत्याशित हंगामे से देश की राजधानी दिल्ली में लोकतंत्र एक बार फिर शर्मसार हुआ है, क्योंकि दिल्ली के गौरवशाली राजनीतिक इतिहास में ऐसा मंजर पहले कभी नहीं देखा गया, जब नवनिर्वाचित पार्षद एक दूसरे पर कुर्सियां और माइक फेंक रहे थे। स्थिति की गम्भीरता का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि ना तो पार्षदों का शपथ ग्रहण हो सका और ना ही मेयर चुनाव। लिहाजा, जब शपथ ग्रहण समारोह और मेयर चुनाव की जब अगली तिथि मुकर्रर होगी तो इस बात की गारंटी कैसे मिलेगी कि इतिहास खुद को नहीं दोहराएगा।

तीसरा, जब संख्या बल स्पष्ट है तो फिर भ्रांति किसे और क्यों है? क्योंकि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में चुने हुए पार्षदों की कुल संख्या 250 है, जिनमें से 134 पार्षद आम आदमी पार्टी से चुनकर आये हैं, जबकि 104 पार्षद भारतीय जनता पार्टी से चुनकर आये हैं। वहीं, 9 पार्षद कांग्रेस के हैं, जबकि 3 पार्षद अन्य दलों से या निर्दलीय चुनकर आये हैं। वहीं, 10 पार्षद मनोनीत किये गए हैं। बीजेपी के 7 लोकसभा सांसद और आप के 3 राज्यसभा सांसद हैं। ये सभी वोटिंग के अधिकारी हैं। निगम एक्ट के मुताबिक, मनोनीत पार्षद को जोन में वोट करने का अधिकार है, लेकिन सदन में वोट करने का अधिकार नहीं है। एमसीडी के नए एक्ट में भी वोट का प्रावधान नहीं है। ऐसे में जब सब कुछ स्पष्ट है तो फिर आप या भाजपा को चिंता करने या दांवपेंच चलाने की कोई जरूरत नहीं है।

चौथा, आखिर कबतक थमेगा अनर्गल आरोप-प्रत्यारोप का यह सिलसिला। क्योंकि आप का आरोप है कि भाजपा नामित पार्षदों को वोट करने का अधिकार देना चाहती है। उनके सहारे भाजपा अपना मेयर बनाना चाहती है। एमसीडी की परंपरा के विपरीत चुनकर आने वाले पार्षदों के बजाय, जब नामित पार्षदों का शपथ पहले हुआ तो उसे लेकर विरोध हुआ। इस दौरान आप पार्षद प्रवीण कुमार पर हमला किया गया। भाजपा आप पार्षदों की हत्या करना चाहती है। वह सदन के अंदर जीत हासिल करने के लिए खूनी खेल पर उतर आई है।

वहीं भाजपा का आरोप है कि आप पार्षदों ने पूर्व नियोजित योजना के आधार पर हंगामा और मारपीट की। यह दिल्ली के लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हंगामा कर पार्षदों को शपथ लेने से रोक दिया है। भाजपा ने सदन में हुई इस घटना की जांच कराने की मांग करते हुए आप कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई की जरूरत बताई है। पार्टी का कहना है कि बीते कुछ दिनों से जिस तरह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल स्वयं कानूनी प्रावधानों की अवहेलना कर बयानबाजी और पत्राचार कर रहे हैं, वह सीधे अपने पार्षदों को हिंसा करने के लिए उकसावे जैसा है और हुआ भी यही।

पांचवां, ऐसे में सीधा सवाल यह है कि जब देश में कानून बनाने वाली सर्वशक्तिमान संस्थाओं के माननीय सदस्यों का आचरण ही ऐसा है, तो आम लोग उनसे क्या सीखेंगे, समझा जा सकता है। वैसे भी दिल्ली को लघु भारत समझा जाता है, इसलिए यहां पर घटित होने वाली हर घटना का असर पूरे राष्ट्र की मानसिकता पर पड़ता है। सवाल यह भी है कि जब उनका आचरण ही ऐसे अनियंत्रित है, तो फिर वो अपने पक्ष में कैसे-कैसे कानून बनाते होंगे, यह समझना मुश्किल नहीं है। शायद देश व देशवासियों की दुर्दशा की वजह भी यही है कि हमारे जनप्रतिनिधि स्थापित मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पित नहीं हैं और सत्ता पाने या उसमें बने रहने के लिए वो किसी भी हद तक जा सकते हैं।

छठा, सवाल है कि हमारे संसद के दोनों सदनों, विधान मंडलों और त्रिस्तरीय स्थानीय निकायों से जुड़े सदनों में पक्ष-विपक्ष के बीच हाथापाई से लेकर मारपीट तक, जो कुछ भी होता आया है, उसके आगे भी थमने के आसार नहीं हैं। क्योंकि सदन के भीतर कुछ भी करने और अपेक्षित न्यायोचित कार्रवाई से बचने का विशेषाधिकार इन्होंने खुद से ही हासिल कर रखा है। जनता इन्हें हरा सकती है, लेकिन इनके किसी कुकृत्य के लिए कानूनन सजा नहीं दिला सकती, जब तक कि ये सदन में हों। वैसे तो इनके ऊपर कार्रवाई करने का पूरा अधिकार सदन अध्यक्ष यानी आसन के पास होता है, लेकिन उनके स्तर से भी निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई यदि की गई होती, तो यह सिलसिला कब का थम चुका होता।

सातवां, हमारे माननीय सांसदगण, विधायकगण और पार्षदगण को यह सोचना चाहिए कि भारतीय लोकतंत्र में वो राजा के समतुल्य हैं और सभी सुविधाओं का उपभोग कर रहे हैं। वहीं, उनकी देखा देखी यानी यथा राजा तथा प्रजा के तर्ज पर अब समाज में भी कुछ लोग ऐसे ही बेतुके आचरण प्रदर्शित करने लगे हैं। भले ही ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई के प्रावधान हैं, लेकिन किसी जनप्रतिनिधि यानी सत्ताधारी वर्ग से जुड़े होने के चलते वो भी सख्त कानूनी कार्रवाई से प्रायः बचते आये हैं। वो भी तभी तक, जब तक कि मामला कोर्ट नहीं पहुंच जाए।

आठवां, उम्मीद है कि एमसीडी का यह अप्रत्याशित हंगामा भी देर-सबेर कोर्ट तक जरूर पहुंचेगा और बीजेपी इसी दिशा में सक्रिय हैं। उसे पता है कि आप हर तरह से बीजेपी को बदनाम करके उसका राजनीतिक लाभ उठाती आई है, इसलिए अब असंवैधानिक आचरण प्रदर्शित करने वाले आप नेताओं को वह कोर्ट तक घसीटेगी, ताकि उनके आचरण में बदलाव आए। यदि ऐसा हुआ तो पलटवार स्वरूप आप भी कुछ करेगी। ऐसे में कोर्ट का भावी रुख भी यह तय करेगा कि ऐसी घटनाएं कबतक थमेंगी और यदि नहीं तो फिर क्या होगा अंजाम, सोचकर हर किसी का दिल सहम जाता है। क्योंकि राजनीतिक कड़वाहट दिन ब दिन बढ़ता ही जा रहा है।

09 जनवरी की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1431 – फ्रांस में 'जोन ऑफ आर्क' के विरुद्ध मुक़दमे की शुरुआत हुई। 1718 – फ्रांस ने स्पेन के ख़िलाफ़ लड़ाई की घोषणा की। 1768 – फिलिप एस्टले ने पहले 'मॉर्डन सर्कस' का प्रदर्शन किया। 1792 – तुर्की और रूस ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये। 1816 – सर हम्फ्री डैवी ने खदानकर्मियों के लिए पहले 'डैवी लैम्प' का परीक्षण किया। 1914 – महात्मा गाँधी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे। 1915 – महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद अब मुंबई पहुंचे। 1918 – भालू घाटी के युद्ध : रेड इंडियनों और अमेरिकी सैनिकों के बीच अंतिम युद्ध 'बैटल ऑफ बियर वैली' का आगाज़ हुआ। रेड इंडियनों और अमेरिकी सैनिकों के बीच अंतिम युद्ध (बैटल ऑफ़ बियर वैली) का आगाज। 1923 – जुआन डि ला सिएर्वा ने पहली 'ऑटोगायरो फ्लाइट' का निर्माण किया। 1941 – यूरोपीय देश रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में छह हजार यहूदियों की हत्या। 1970 – सिंगापुर में संविधान अपनाया गया। 1982 – पहला भारतीय वैज्ञानिक दल अंटार्कटिका पहुंचा। 1991 – अमेरिकी और इराकी प्रतिनिधियों की ओमान पर इराकी कब्जे के सम्बंध में जेनेवा शांति बैठक में मुलाकात। 2001 – बांग्लादेश में हिन्दुओं की सम्पत्ति लौटाने संबंधी विधेयक मंजूर। 2005 – अराफात को 'फिलिस्तीनी लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन' के शीर्ष पद से हटाने के लिए चुनाव। पी.एल.ओ. के अध्यक्ष महमूद अब्बास फ़िलिस्तीन के राष्ट्रपति चुनाव में विजयी। 2007 – जापान में पहला राज्य मंत्रालय गठित हुआ। 2008 – हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री 'प्रेम कुमार धूमल' ने अपने मंत्रिमण्डल में नौ मंत्रियों को शामिल किया। श्रीलंका की सेना ने लिट्टे के इलाके पर कब्जा किया। 2009 – लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी को सार्वजनिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए बेबी जान फाउंडेशन पुरस्कार के लिए चुना गया। 2010 – सीबीआई ने हरियाणा सरकार द्वारा रुचिका मामलें में जांच किए जाने का अनुरोध स्वीकार कर लिया। 2011 – ईरान एयर की फ्लाइट नं 277 दुर्घटनाग्रस्त, 77 लोगों की मौत। 2012 – लियोनेल मेसी ने लगातार दूसरे वर्ष फीफा का बैलोन डी ओर (सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर) पुरस्कार जीता। 2020 – भारतीय रिज़र्व बैंक ने केवाईसी नियमों में संशोधन किया। संशोधन के बाद नया मानदंड वित्तीय संस्थानों को वीडियो-आधारित ग्राहक पहचान प्रक्रिया का उपयोग करने की अनुमति देता है। यह कदम बैंकों और ऋण देने वाले संस्थानों को दूर बैठे हुए ग्राहकों की पहचान करने में मदद करेगा। सबसे पहले एचडीएफ़सी बैंक ने माईएप्स (myApps) एप्लिकेशन लॉन्च किया। इस ऐप का उद्देश्य भारत में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना है।

क्षेत्रीय दलों से कांग्रेस गठजोड़ आसान नहीं

पूर्व की कांग्रेस गठबंधन सरकार में क्षेत्रीय दलों ने मनमानी करके कांग्रेस की जमकर फजीहत कराई थी। टू जी स्पैक्ट्रम सहित दूसरे घोटालों में क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस की काफी किरकिरी कराई। इनकी खींचतान और अराजकता का खामियाजा कांग्रेस आज तक भुगत रही है। भाजपा ने कांग्रेस शासन के दौरान हुए भ्रष्टाचार को अभी तक मुद्दा बनाए रखा है। भाजपा ने ऐसे ही अन्य मुद्दों पर कांग्रेस को घेरने में कसर बाकी नहीं रखी। सत्ता में आने के बावजूद क्षेत्रीय दलों को मनमानी करने से रोकने की ताकत कांग्रेस में नहीं होगी´

बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने खुद को प्रधानमंत्री की दावेदारी से अलग कर लिया। राहुल के लिए नीतिश ने कहा कि यदि राहुल का नाम प्रधानमंत्री के लिए आगे आता है तो उन्हें कोई ऐतराज नहीं है। सवाल यह है कि नीतिश कुमार ने तो मान लिया पर क्या सारे विपक्षी दल राहुल गांधी को आगामी लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री पद का अपना संयुक्त उम्मीदवार बनाने पर सहमत हो सकते हैं। राहुल गांधी ने भी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान परोक्ष तौर पर ऐसी ही मंशा जाहिर की थी। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान विपक्षी दलों से एकजुटता का आह्वान किया। इस आह्वान के पीछे राहुल गांधी की मंशा आगामी लोकसभा चुनाव में संयुक्त विपक्षी दल के प्रधानमंत्री के तौर पर अपनी उम्मीदवारी पेश करना है। प्रधानमंत्री की दावेदारी के लिए राहुल गांधी ने स्पष्ट तौर पर बेशक कुछ नहीं कहा किन्तु उनके बयान से उनकी दबी हुई मंशा साफ जाहिर होती है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र पार्टी है जिसका देशव्यापी नेटवर्क है। समाजवादी पार्टी का नाम लेते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि क्या इस पार्टी की पॉलिसी केरल-कर्नाटक में लागू होती है। उन्होंने कहा कि केवल कांग्रेस ही एकमात्र पार्टी है, जिसकी राष्ट्रव्यापी नीतियां और नेटवर्क है। नीतिश कुमार ने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से खुद को अलग कर लिया हो लेकिन दूसरे क्षेत्रीय दलों ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

क्षेत्रीय दलों के लिए राहुल की स्वीकार्यता आसान नहीं हैं। विपक्षी दलों का यह प्रयास यदि सफल हो भी जाता है, तब भी इसकी हालत भानुमति के कुनबे जैसी होगी। इन दलों के प्रमुखों का ख्वाब भी प्रधानमंत्री की दावेदारी का है। विपक्षी दलों की तस्वीर अभी स्पष्ट नहीं है। यही वजह है कि नीतिश के अलावा किसी भी क्षेत्रीय दल ने अभी तक राहुल गांधी के नाम को आगे नहीं बढ़ाया है। राहुल की भारत जोड़ो यात्रा से क्षेत्रीय दलों ने दूरी बनाए रखी। हर दल के प्रमुख ने कोई न कोई बहाना बना कर राहुल और कांग्रेस को इस यात्रा का श्रेय देने से बचने का प्रयास किया। मुद्दा यह नहीं है कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनने का ख्वाब देख रहे हैं। सवाल यह है कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव में कैसा प्रदर्शन कर पाती है। लोकसभा में मिलने वाली सीटों पर ही कांग्रेस की दावेदारी को दम मिलेगा। इसके लिए कांग्रेस को सिर्फ प्रतिद्वन्द्वी भारतीय जनता पार्टी से ही नहीं बल्कि विपक्षी दलों से भी जूझना होगा। कांग्रेस का सीटों के बंटवारे को लेकर गैरभाजपा दलों से गठबंधन आसान नहीं है। विपक्षी दलों में यदि कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभर कर आती है, तभी राहुल गांधी की पीएम बनने की दावेदारी में कुछ दम हो सकता है। इससे विपक्षी दलों पर राहुल गांधी की दावेदारी का दवाब बढ़ जाएगा। फिर भी क्षेत्रीय पार्टियां आसानी से राहुल की दावेदारी को पचा नहीं पाएंगी। राहुल गांधी की पीएम पद की दावेदारी से पहले कांग्रेस के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं। इनसे पार पाना भी कांग्रेस के लिए लोहे के चने चबाने जैसा है।

नई सरकार से जनता की अपेक्षाएं

विशेषकर हिमालय क्षेत्र में जहां की परिस्थिति बहुत नाजुक है, वहां एक दो मेगावाट से बड़े प्रोजेक्ट नहीं लगने चाहिए। अभय शुक्ला कमेटी ने सात हजार फुट से ऊपर के क्षेत्रों में जल विद्युत प्रोजेक्ट न लगाने की अनुशंसा की थी। उसे लागू किया जाना चाहिए। पर्यावरण मित्र पर्यटन को विशेष प्रोत्साहन देने के प्रयास होने चाहिए। प्रदेश में बहुत से अविकसित पर्यटन स्थल हैं जिन्हें विकसित करके बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर खड़े किए जा सकते हैं´

हिमाचल प्रदेश ने अपना रिवाज बरकरार रखते हुए सरकार बदल दी। नई कांग्रेस सरकार को शुभ कामनाएं। आशा है कि सरकार अपने वादों को पूरा करते हुए पर्यावरण की दृष्टि से भी जागरूक रहेगी और इस दिशा में सकारात्मक फैसले लेगी। प्रदेश को विकास की तो दरकार है ही, परन्तु विकास के लिए हिमालय की विशेष परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण मित्र विकास के रास्ते पर चलते हुए आगे बढऩा होगा। प्रदेश पिछले चार-पांच दशकों से लगातार कर्ज के बोझ तले दबता जा रहा है। इस बात को भी ध्यान में रखना होगा। कुछ पुराने लटके हुए काम पूरे करने होंगे और कई नई रहें तलाश करनी होंगी। राजनीतिक दलों की आपसी खींचतान तो चलती ही रहती है किन्तु आम नागरिक तो रोज़ी-रोटी की स्थितियों में सुधार की आशा ही सरकारों से लगाए रहता है। कुछ भरे हुए पेट वालों की मांगें भी दबाव बनाए रहती हैं। सरकार को देखना होगा कि किसकी मांग को प्राथमिकता देनी है।

मुख्यमंत्री जी एक सामान्य परिवार से उठ कर यह जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इसलिए स्वाभाविक है कि वे ज्यादा जरूरतमन्द वर्ग की मांगों को प्राथमिकता देंगे। प्रदेश के ऐसे संसाधन जो अनुत्पादक हो गए हैं उनको उत्पादक बनाने की चुनौती भी छोटी नहीं है। पशुपालन को लाभकारी बनाने की बड़ी जरूरत है। यह पहाड़ी लोगों का प्राचीन काल से ही मुख्य व्यवसाय रहा है और सबसे गरीब तबके के लिए आशा की किरण रहा है। आज यह व्यवसाय दबाव में आ गया है। इसे उबरने के लिए नस्ल सुधार और चिकित्सा सुविधा जैसे कामों की ओर तो ध्यान दिया गया है किन्तु प्रदेश बुनियादी जरूरत यानी चारे की कमी से जूझ रहा है। पंजाब और हरियाणा से महंगे दामों पर तूड़ी लाकर पशुपालन घाटे का सौदा होता जा रहा है। अनुत्पादक पशुओं को लावारिस सडक़ों पर छोड़ा जा रहा है। हालांकि प्रदेश में अपनी आबादी के लिए दूध उत्पादन पर्याप्त है, किन्तु एक करोड़ से ज्यादा प्रतिवर्ष आने वाले पर्यटकों की जरूरतों और मिठाई आदि की जरूरतों के लिए प्रदेश को पंजाब और गुजरात पर निर्भर होना पड़ता है। दूध उत्पादन को दुगना करने की जरूरत है। 67 फीसदी वन भूमि होने के बाबजूद पशुचारे का अकाल प्रबन्धन की कमी को दिखलाता है, जिसे चरागाह विकास और वनों में चारे के वृक्षारोपण से सुलझाया जा सकता है। किन्तु छुटपुट प्रयासों से काम बनने वाला नहीं, इसके लिए बड़े पैमाने पर विशेष योजना बनाने की जरूरत है। मनरेगा के बजट का एक निश्चित प्रतिशत पांच साल के लिए इस काम के लिए निर्धारित करके पंचायतों और विकास खंड अधिकारियों को निर्देशित करके चरागाह विकास कार्य को क्रियान्वित करवाया जाना चाहिए। चरागाह विकास के लिए पहले छह हजार फुट से कम ऊंचाई वाले इलाकों में खरपतवार उन्मूलन कार्य करना होगा। इस क्षेत्र की करीब 70 फीसदी चरागाहें खरपतवारों से नष्ट हो चुकी हैं। साथ ही इनमें सुधरी किस्म का घास रोपण करना होगा। पालमपुर विश्वविद्यालय और भारतीय घास-चारा अनुसन्धान केंद्र पालमपुर इस दृष्टि से पर्याप्त जानकारियां और घास के बीज और पौध उपलब्ध करवा सकता है। प्रदेश में बहुत सी जमीनें बन्दर, सूअर, नीलगाय, लावारिस पशुओं के आक्रमण के कारण किसानों द्वारा खाली छोड़ दी गई हैं। इनका समुचित उपयोग करने के रास्ते तलाश करने की जरूरत है। ऐसी फसलें जिन्हें ये जंगली जानवर नुकसान न पहुंचा सकें उनकी खेती करने की दिशा में जानकारी और सहयोग दिया जाना चाहिए। एक नया आयाम इस दिशा में खुला है। उसका लाभ इस कार्य में लिया जा सकता है। देश में खनिज तेल की खपत कम करने के लिए एथनोल एक विकल्प के रूप में उभर रहा है। आने वाले समय में एथनोल की पेट्रोल के साथ ब्लेंडिंग लगातार बढ़ती जा रही है। अब तो केवल एथनोल से चलने वाले वाहनों की बात हो रही है। बेकार पड़ी जमीनों और लैंटाना जैसे खरपतवारों से नष्ट भूमियों में उपयुक्त किस्म के बांस रोपण का काम बड़े पैमाने पर किया जा सकता है। बांस से गन्ने के मुकाबले दस गुणा ज्यादा एथनोल बनाया जा सकता है। प्रदेश बैम्बू मिशन का लाभ इस काम के लिए ले सकता है और केंद्र सरकार से बांस से एथनोल बनाने वाले प्लांट की स्थापना का आग्रह करके आगे बढ़ा जा सकता है।

राजस्थान में कांग्रेस दो सत्ता में लौटना है तो बदलनी

रमेश सर्राफ धमोरा

आज बूथ से लेकर ग्राम इकाई, ब्लॉक इकाई व जिला संगठन में काम करने वाले अधिकांश पदाधिकारियों को सत्ता में कोई भागीदारी नहीं मिल पाई है। जो जमीनी स्तर पर काम करने वाले लोग हैं। कार्यक्रमों में दरिया बिछाते हैं। पार्टी के लिए मरने मारने पर उतारू रहते हैं।

राजस्थान में अगले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी चुनावी तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। प्रदेश में सत्तारुढ़ कांग्रेस पार्टी, मुख्य विपक्षी दल भाजपा, तिकोनी टक्कर बनाने में जुटी बसपा, आम आदमी पार्टी, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन, वामपंथी दल, भारतीय ट्राइबल पार्टी सभी अगले विधानसभा चुनाव में सत्तारुढ़ होने का सपना देख रहे हैं। कांग्रेस के नेता जहां फिर से सरकार रिपीट करवाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं भाजपा सरकार बनाने की अपनी बारी का इंतजार कर रही है। अन्य राजनीतिक दल इन दोनों ही दलों को पटखनी देकर अगली सरकार बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहते हैं।

राहुल गांधी की राजस्थान में 18 दिनों तक चली भारत जोड़ो पदयात्रा को मिले जन समर्थन से कांग्रेस गदगद नजर आ रही है। वहीं भाजपा गहलोत सरकार के खिलाफ प्रदेश में निकाली गई जनाक्रोश यात्राओं में ज्यादा भीड़ नहीं जुटा पाने से हताश नजर आ रही है। अन्य राजनीतिक दलों के नेता भी अपना प्रभाव बढ़ाने के प्रयास में लगे हुए हैं। सांसद असदुद्दीन ओवैसी भी राजस्थान के कई जिलों की यात्राएं कर जनमानस का मूड टटोल चुके हैं। बसपा भी अपने जर्जर संगठन को एक बार फिर नए सिरे से खड़ा करने का प्रयास कर रही है। आम आदमी पार्टी भी सभी 200 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की घोषणा कर चुकी है।

राहुल गांधी की पदयात्रा राजस्थान में आठ जिलों से होकर गुजरी थी। उस दौरान प्रायः सभी छोटे-बड़े नेताओं ने राहुल गांधी से मिलकर उन्हें अपने विचारों से अवगत करवाया था। राहुल गांधी ने सभी की बातें बड़े ध्यान से सुनी थीं। बहुत से लोगों ने राहुल गांधी को गहलोत सरकार की कई खामियों के बारे में भी बताया था। जिनको लेकर राहुल गांधी ने यात्रा के अंतिम दिन अलवर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित अन्य प्रमुख नेताओं के साथ एक बैठक कर सभी बातों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की व प्रदेश में जो समस्याएं हैं उनका समाधान निकालने के लिए भी मुख्यमंत्री को कहा था।

राजस्थान कांग्रेस में सितंबर महीने में चले राजनीतिक घटनाक्रम के बाद पार्टी की फूट खुलकर सड़कों पर आ गई थी। मगर राहुल गांधी की यात्रा के बाद कांग्रेस एक बार फिर से एकजुट नजर आने लगी है। अजय माकन के इस्तीफे के बाद पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा को राजस्थान कांग्रेस का नया प्रभारी बनाया गया है। वह भी प्रदेश में लगातार दौरे कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से फीडबैक ले रहे हैं तथा पार्टी में आपसी एकता कायम करने की दिशा में काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अगली बार फिर से सरकार रिपीट करने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा है कि आने वाला बजट पूरी तरह किसानों व गरीबों को समर्पित होगा। गहलोत सरकार द्वारा वोट बटोरने के लिये अगले बजट में कई लोक लुभावनी घोषणाएं भी की जाएंगी।

कांग्रेस पार्टी के सभी बड़े नेता बढ़-चढ़कर दावा कर रहे हैं कि प्रदेश में कई हजार लोगों को राजनीतिक नियुक्तियां दी गई हैं। जिनकी बदौलत पार्टी को अगले चुनाव में बड़ी सफलता मिलेगी। मगर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कांग्रेस के सभी बड़े नेता इस बात को भूल जाते हैं कि राजनीतिक नियुक्तियों में जिनको बड़े पद दिए गए हैं वह सभी पार्टी के बड़े नेता हैं। अधिकांश बड़े पदों पर विधायकों, पूर्व सांसदों, पूर्व विधायकों व संगठन में बड़े पदों पर रहे नेताओं को ही समायोजित किया गया है। आम जनता के बीच रहकर रात दिन पार्टी के लिए काम करने वाले उन कार्यकर्ताओं को क्या मिला जो बूथों पर जाकर पार्टी के पक्ष में वोट डलवाते हैं तथा विपक्षी दलों के लोगों से झगड़ा तक करते हैं।

आज बूथ से लेकर ग्राम इकाई, ब्लॉक इकाई व जिला संगठन में काम करने वाले अधिकांश पदाधिकारियों को सत्ता में कोई भागीदारी नहीं मिल पाई है। जो जमीनी स्तर पर काम करने वाले लोग हैं। कार्यक्रमों में दरिया बिछाते हैं। पार्टी के लिए मरने मारने पर उतारू रहते हैं। रात दिन कांग्रेस के नाम की माला जपते हैं। वैसे लोगों का राजनीतिक नियुक्तियों में कहीं भी नाम नहीं है। राजनीतिक नियुक्तियों में उन्हीं लोगों को पद मिले हैं जो मौजूदा विधायकों या बड़े नेताओं के नजदीकी रहकर चापलूसी की राजनीति करते हैं। जो लोग सत्ता की दलाली करते हैं। वह जोड़ तोड़ कर सरकारी पदों पर आसीन हो जाते हैं। जबकि नीचे के स्तर पर काम करने वाले आम कार्यकर्ताओं को कोई भी नहीं पूछता है।

कांग्रेस पार्टी में जब तक ग्रास रूट वर्कर को महत्व नहीं मिलेगा तब तक किसी भी स्थिति में फिर से सरकार नहीं बना पाएगी। सत्ता की मलाई खाने वाले अधिकांश नेता अपने राजनीतिक स्वार्थ के चलते मौका देखकर दल बदलने में भी देर नहीं लगाते हैं। जबकि जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं के मन में पार्टी के प्रति भावना कूट-कूट कर भरी रहती है और वह किसी भी स्थिति में पार्टी को नहीं छोड़ते हैं। उन्हीं जमीनी कार्यकर्ताओं के बल पर आज भी कांग्रेस पार्टी पूरे देश में टिकी हुई है।

ब्रीफ न्यूज

खत्म होगी डॉलर की बादशाहत, वैश्विक स्तर पर व्यापार के लिए उपलब्ध होगा डिजिटल रूपी

नई दिल्ली। डिजिटल रुपये का इस्तेमाल यूपीआई, एनईएफटी, आरटीजीएस, आईएमपीएस, डेबिट/क्रेडिट कार्ड आदि के जरिये भुगतानों के लिए किया जा सकता है। यह पारंपरिक ऑनलाइन लेनदेन से अलग है। आरबीआई ने हाल ही में डिजिटल रूपी पेश किया है। इस ऐतिहासिक कदम से न सिर्फ सरकार के डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी बल्कि अमेरिकी डॉलर की बादशाहत को भी झटका लगेगा। जानकारों की मानें तो यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिका ने जिस तरह रूस के विदेशी मुद्रा भंडार पर पाबंदी लगा दी। इससे कई देश समझ गए कि वैश्विक स्तर पर व्यापार के लिए डॉलर पर निर्भर नहीं रहा जा सकता है। डिजिटल मुद्रा दुनियाभर के देशों की यह चिंता कम कर सकता है।

पहले ईरान और अब रूस ने जो रास्ता दिखाया है, उसका असर आने वाले दिनों में यह हो सकता है कि भारत अन्य देशों से कारोबार में रुपये में लेनदेन के विकल्प पर जोर देगा। इससे डॉलर पर निर्भरता कम होने के साथ निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

आरबीआई के कार्यकारी निदेशक अजय कुमार चौधरी का कहना है कि डिजिटल रूपी मुद्रा प्रणाली के सिस्टम में दक्षता लाएगी। भुगतान के तरीके में नया लचीलापन देने के साथ विदेश में होने वाले भुगतान को भी बढ़ावा देगा। सामाजिक और आर्थिक परिणामों से होने वाले नुकसानों से भी बचा जा सकेगा।

डिजिटल रुपये का इस्तेमाल यूपीआई, एनईएफटी, आरटीजीएस, आईएमपीएस, डेबिट/क्रेडिट कार्ड आदि के जरिये भुगतानों के लिए किया जा सकता है। यह पारंपरिक ऑनलाइन लेनदेन से अलग है।

एमएसएमई : 1.31 करोड़ लोगों को मिला रोजगार

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) को इस साल विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इससे छोटे उद्योग बड़े पैमाने पर प्रभावित हुए। उद्यम पोर्टल के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में एक अप्रैल से 8 दिसंबर के बीच उद्यम-पंजीकृत 7,995 एमएसएमई बंद हुए। इस बीच, एमएसएमई ने 1.31 करोड़ लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए।

ईसीएलजीएस ने इस साल 13.5 लाख छोटे उद्योगों व 1.5 करोड़ रोजगार बचा लिया। सरकार का 2024-25 तक 5 करोड़ और रोजगार देने का लक्ष्य है।

चुनौतियों में भी सबसे तेज बढ़ी अर्थव्यवस्था, भारत की विकास दर रही सबसे तेज

नई दिल्ली। मंदी की आशंका और अन्य चुनौतियों के बावजूद भारत जनवरी-जुलाई, 2022 के बीच स्टार्टअप यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर से ज्यादा मूल्यांकन) के मामले में चीन को पीछे छोड़ने में कामयाब रहा। पहले कोरोना महामारी और फिर रूस-यूक्रेन युद्ध से पैदा हुईं चुनौतियों ने दुनियाभर के लिए महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक विकास के मोर्चे पर काफी मुश्किलें खड़ी कर दीं। आलम यह है कि अमेरिका और यूरोप जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाएं मंदी में फंसने के कगार पर हैं। इन चुनौतियों के बीच मजबूत आर्थिक और बुनियादी ढांचा प्रबंधन के दम पर भारत ऐसे हालात में भी सबसे तेजी से आगे बढ़ रहा है। चालू वित्त वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही में भारत की विकास दर क्रमशः 13.5 फीसदी एवं 6.3 फीसदी रही, जो दुनियाभर में सबसे तेज है।

महंगाई : 10 महीने बाद आखिरकार मिली राहत

महंगाई के लिहाज से यह साल काफी चुनौतियों भरा रहा। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और अन्य कमोडिटी की बढ़ी कीमतों ने इस साल जनवरी से अक्तूबर के दौरान आम लोगों से लेकर उद्योग तक को परेशान किया।

5जी से नए युग की शुरुआत, आसान होगा जीवन, 4जी के मुकाबले 10 गुना ज्यादा स्पीड

एनटीवी न्यूज

एरिक्सन कंज्यूमर लैब के मुताबिक, भारत में करीब 10 करोड़ मोबाइल उपभोक्ता ऐसे हैं, जो 5जी से जुड़ने के लिए तैयार हैं। इन उपभोक्ताओं के पास 5जी रेडी स्मार्टफोन हैं।

देश में इस साल अक्तूबर में 5जी की शुरुआत हुई। 5जी न सिर्फ एक नए युग की शुरुआत है बल्कि इससे जीवन काफी आसान हो जाएगा। 4जी के मुकाबले इसकी स्पीड 10 गुना ज्यादा है। इसके जरिये सिर्फ 20 सेकंड में एक फिल्म डाउनलोड कर सकते हैं। 5जी की मदद से दूर बैठे कई उपकरणों को कंट्रोल किया जा सकता है। जिन ड्राइवरलेस कारों को भविष्य में बड़ी उम्मीद से देखा जा रहा है, उनका संचालन 5जी से ही संभव है।

सूचना मंत्रालय के मुताबिक, 2035 तक देश की जीडीपी में 5जी का योगदान 450 अरब डॉलर तक होगा।

एरिक्सन कंज्यूमर लैब के मुताबिक, भारत में करीब 10 करोड़ मोबाइल उपभोक्ता ऐसे हैं, जो 5जी से जुड़ने के लिए तैयार हैं। इन उपभोक्ताओं के पास 5जी रेडी स्मार्टफोन हैं।

बैंकिंग : फंसे कर्ज में कमी से हुआ रिकॉर्ड मुनाफा

लंबे समय से एनपीए (फंसे कर्ज) और घाटे के दबाव से जूझ रहे बैंकिंग क्षेत्र के लिए यह साल बेहतर रहा। एनपीए में कमी से सरकारी बैंकों को इस साल रिकॉर्ड मुनाफा हुआ। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सभी 12 सरकारी बैंकों का कुल लाभ 50 फीसदी बढ़कर 25,685 करोड़ रुपये पहुंच गया। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में सरकारी बैंकों को 40,991 करोड़ का मुनाफा हुआ, जो 2021-22 की समान अवधि से 32 फीसदी ज्यादा है। दूसरी तिमाही में देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई का फायदा 74 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 13,265 करोड़ पहुंच गया।

एक अक्तूबर से कार्ड टोकनाइजेशन लागू।

डिजिटल लोन देने वाले एप पर सख्ती की गई।

वैश्विक स्तर पर यूपीआई की स्वीकार्यता।

एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी का विलय।

रिकॉर्ड 291 लाख करोड़ पूंजीकरण

पिछले साल सेंसेक्स ने 62,245 का ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया था। इस साल भारी उतार-चढ़ाव के बावजूद इसने अपना रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। एक दिसंबर को यह 63,284 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। बाजार पूंजीकरण भी पहली बार 291 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया।।

हालांकि, इस साल सेंसेक्स में सबसे बड़ी एक दिनी गिरावट और बढ़त भी रही। 24 फरवरी को 2,702 अंक की भारी गिरावट आई क्योंकि उसी दिन रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुआ था।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के सेंसेक्स में इस साल 15 फरवरी को 1,700 अंकों की भारी बढ़त दर्ज की गई।

सिर्फ गौतम अदाणी की संपत्ति बढ़ी

गौतम अदाणी की संपत्ति 75 अरब डॉलर बढ़कर 12.1 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। मुकेश अंबानी की संपत्ति 5 फीसदी और आरके दमानी की 6 फीसदी घटी है। शिव नाडर की संपत्ति 9.6 अरब डॉलर कम हुई है।

1.21 लाख करोड़ निकाले

विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 1.21 लाख करोड़ रुपये निकाले। अगस्त में सर्वाधिक 51 हजार करोड़ की निकासी हुई थी।

बार इस साल सेंसेक्स में एक हजार अंकों से ज्यादा की तेजी रही

बार ऐसा हुआ, जब बाजार 1,000 अंकों से ज्यादा लुढ़का

पिछले साल जैसा नहीं मिला समर्थन

प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिहाज से 2022 अच्छा नहीं रहा। इस साल कुल 39 कंपनियों ने आईपीओ के जरिये 60,006 करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह आंकड़ा 2021 में जुटाए गए रिकॉर्ड 1.20 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले आधा है। पूंजी जुटाने के लिहाज से पहले यह रिकॉर्ड 2017 के नाम रहा, जिसमें 75,279 करोड़ जुटाए गए थे। हालांकि, संख्या के लिहाज से 2007 में रिकॉर्ड 104 आईपीओ पेश हुए थे।

वैसे सबसे बड़े आईपीओ का रिकॉर्ड भी इसी साल बना, जब एलआईसी ने 20,571 करोड़ रुपये जुटाए। पेटीएम ने आईपीओ से 18,000 करोड़ रुपये जुटाए थे। नई उम्र वाली कंपनियों ने भी भारतीय बाजार से अच्छा खासा पैसा जुटाया। इसमें जोमैटो, नायका, पॉलिसी बाजार आदि हैं।

2023 में 89 कंपनियों के आईपीओ आने वाले हैं। इससे 1.40 लाख करोड़ रुपये जुटाए जाने का अनुमान है।

नए साल में जो बड़ी कंपनियां बाजार से पैसे जुटा सकती हैं, उनमें ओयो ने 8,430 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आवेदन किया है।

मारुति सुजुकी की बिक्री में 21 फीसदी इजाफा

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआई) की बिक्री में इजाफा हुआ है। अक्टूबर महीने में मारुति सुजुकी की कारों की कुल बिक्री 21 फीसदी बढ़कर 1,67,520 इकाई रही। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में कुल 1,38,335 वाहन बेचे थे। एमएसआईएल ने यह जानकारी दी।

एमएसआईएल ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि अक्टूबर में कुल घरेलू बिक्री 1,47,072 यात्री वाहनों की है, जो सालाना आधार पर 26 फीसदी अधिक है। एक साल पहले इसी अवधि में यात्री वाहनों की कुल घरेलू बिक्री 1,17,013 इकाई थी। इसके साथ ही अक्टूबर में 'मिनी सेगमेंट' कारों की बिक्री बढ़कर 24,936 इकाई हो गई। इस खंड में ऑल्टो और एस-प्रेसो जैसे मॉडल शामिल हैं।

इसके अलावा मारुति सुजुकी की बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट, टूर एस और वैगनआर सहित कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री भी पिछले महीने अक्टूबर में बढ़कर 73,685 इकाई हो गई। एक साल पहले इसी महीने में यह आंकड़ा 48,690 इकाई का रहा था।

25% तक चढ़ सकते हैं इस महारत्न कंपनी के शेयर, एक्सपर्ट ने दिया 85 रुपये का टारगेट

मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि महारत्न कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के शेयरों में 25 पर्सेंट तक का उछाल आ सकता है। कंपनी के शेयर मंगलवार को BSE पर 68.50 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं।

नई दिल्ली। ऑयल रिफाइनिंग और इसकी मार्केटिंग से जुड़ी एक सरकारी कंपनी के शेयरों में अच्छी तेजी आ सकती है। यह कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (IOCL) है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि महारत्न कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के शेयरों में 25 पर्सेंट तक का उछाल आ सकता है। कंपनी के शेयर मंगलवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर 68.50 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 94.55 रुपये है।

बायरेटिंग के साथ शेयरों का 85 रुपये का टारगेट

घरेलू ब्रोकरेज हाउस ICICI सिक्योरिटीज ने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के शेयरों को बाय (Buy) रेटिंग दी है और कंपनी के शेयरों के लिए 85 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि मौजूदा लेवल से कंपनी के शेयरों में 25 पर्सेंट का उछाल आ सकता है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, लॉर्ज कैप महारत्न कंपनी है और यह मिनिस्ट्री ऑफ पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस के तहत आती है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 65.20 रुपये है।

फॉर्च्यून-500 लिस्ट में हाइएस्ट रैंक वाली एनर्जी PSU

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, फॉर्च्यून-500 लिस्ट में भारत की हाइएस्ट रैंक वाली एनर्जी PSU है। इसकी रैंक 142वीं है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के शेयरों में पिछले 6 महीने में 19 पर्सेंट से ज्यादा की गिरावट आई है। वहीं, इस साल अब तक महारत्न कंपनी के शेयर करीब 10 पर्सेंट लुढ़क गए हैं। पिछले एक साल में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के शेयरों में करीब 22 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली है। सितंबर 2022 तिमाही में इंडियन ऑयल का रेवेन्यू 2,28,359.3 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी को जुलाई-सितंबर 2022 तिमाही में 272.35 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम, जानें कितनी हैं आपके शहर में कीमतें

दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये व डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है।

तेल कंपनियों ने आज के लिए पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। आज कंपनियों ने दिल्ली और चेन्नई में तेल के दामों में बदलाव किया है। सरकार ने कुछ महीने पहले पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाने की घोषणा की थी। देश में तेल के दाम लगभग पिछले चार महीने से ज्यादा समय से स्थिर हैं।

दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये व डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

जानें प्रमुख महानगरों में कितनी है कीमत

दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई जैसे शहरों में एक लीटर पेट्रोल और डीजल की कीमतें इस प्रकार हैं।

शहर	डीजल	पेट्रोल
दिल्ली	89.62	96.72
मुंबई	94.27	106.31
कोलकाता	92.76	106.03
चेन्नई	94.24	102.63

(पेट्रोल-डीजल की कीमत रुपये प्रति लीटर में है।)

जानिए आपके शहर में कितना है दाम

पेट्रोल-डीजल की कीमत आप एसएमएस के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट पर जाकर आपको RSP और अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर भेजना होगा। हर शहर का कोड अलग-अलग है, जो आपको आईओसीएल की वेबसाइट से मिल जाएगा।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशियाई बाजारों में तेजी

एसजीएक्स निफ्टी 115 .50 अंक की मजबूती के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। वहीं निक्केई इंडेक्स भी 0 .23 प्रतिशत तक मजबूत हो चुका है

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार की तरह ही मंगलवार को वैश्विक बाजार से भी अच्छे संकेत मिलते नजर आ रहे हैं। हालांकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आज और कल होने वाली बैठक के कारण अमेरिकी बाजार दबाव में काम करता नजर आए। एशियाई बाजार आज सुबह से ही मजबूती का रुझान बनाए हुए हैं।

पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। डाओ जोंस 129 अंक की गिरावट के साथ 32,732 अंक के स्तर पर बंद हुआ, जबकि एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 29 अंक लुढ़ककर 3,871 अंक के स्तर पर पिछले कारोबारी सत्र में अपने कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डेक भी अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक में लिए जाने वाले कड़े फैसलों की आशंका के कारण 114 अंक फिसल कर 10,988 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

अमेरिकी सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व की बैठक आज शुरू होने वाली है, जो कल तक जारी रहेगी। आशंका जताई जा रही है कि अमेरिका में महंगाई दर पर काबू पाने के लिए फेडरल रिजर्व एक बार फिर ब्याज दरों में 0.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकता है। इसके पहले भी फेडरल रिजर्व लगातार तीन बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर चुका है। ब्याज दर बढ़ने की आशंका के कारण ही पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिकी शेयर बाजार लगातार दबाव की स्थिति में कारोबार करते नजर आए।

दूसरी ओर एशियाई शेयर बाजार आज कारोबार की शुरुआत से ही लगातार मजबूती का रुख बनाए हुए हैं। एसजीएक्स निफ्टी 115.50 अंक की मजबूती के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। वहीं निक्केई इंडेक्स भी 0.23 प्रतिशत तक मजबूत हो चुका है। फिलहाल निक्केई इंडेक्स 27,666.34 अंक के स्तर पर पहुंचकर कारोबार करता दिख रहा है। स्ट्रेट टाइम्स इंडेक्स में भी आज 1.29 प्रतिशत की तेजी बनी हुई है। इसी तरह ताइवान का बाजार 0.74 प्रतिशत की मजबूती के साथ 13,046.44 अंक के स्तर पर कारोबार करता दिख रहा है। इसके अलावा हेंगसेंग इंडेक्स 2.84 प्रतिशत की मजबूती के साथ 15,104.08 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि कोस्पी इंडेक्स भी दिन के कारोबार में 1.56 प्रतिशत तक मजबूत हो चुका है। एशियाई बाजारों में आई तेजी का फायदा आज शंघाई कंपोजिट इंडेक्स को भी मिलता नजर आ रहा है। फिलहाल ये इंडक्स 1.18 प्रतिशत की उछाल के साथ 2,227.52 अंक के स्तर पर कारोबार करता दिख रहा है।

गुजरात जा रही कार पालघर में ट्रक से टकराई, तीन लोगों की मौत, चार अन्य घायल

एनटीवी न्यूज

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसे में एक शिशु सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए है। अधिकारी ने बताया कि एक परिवार के सात सदस्य कार से मुंबई से गुजरात में वलसाड जिले के भिलाड जा रहे थे

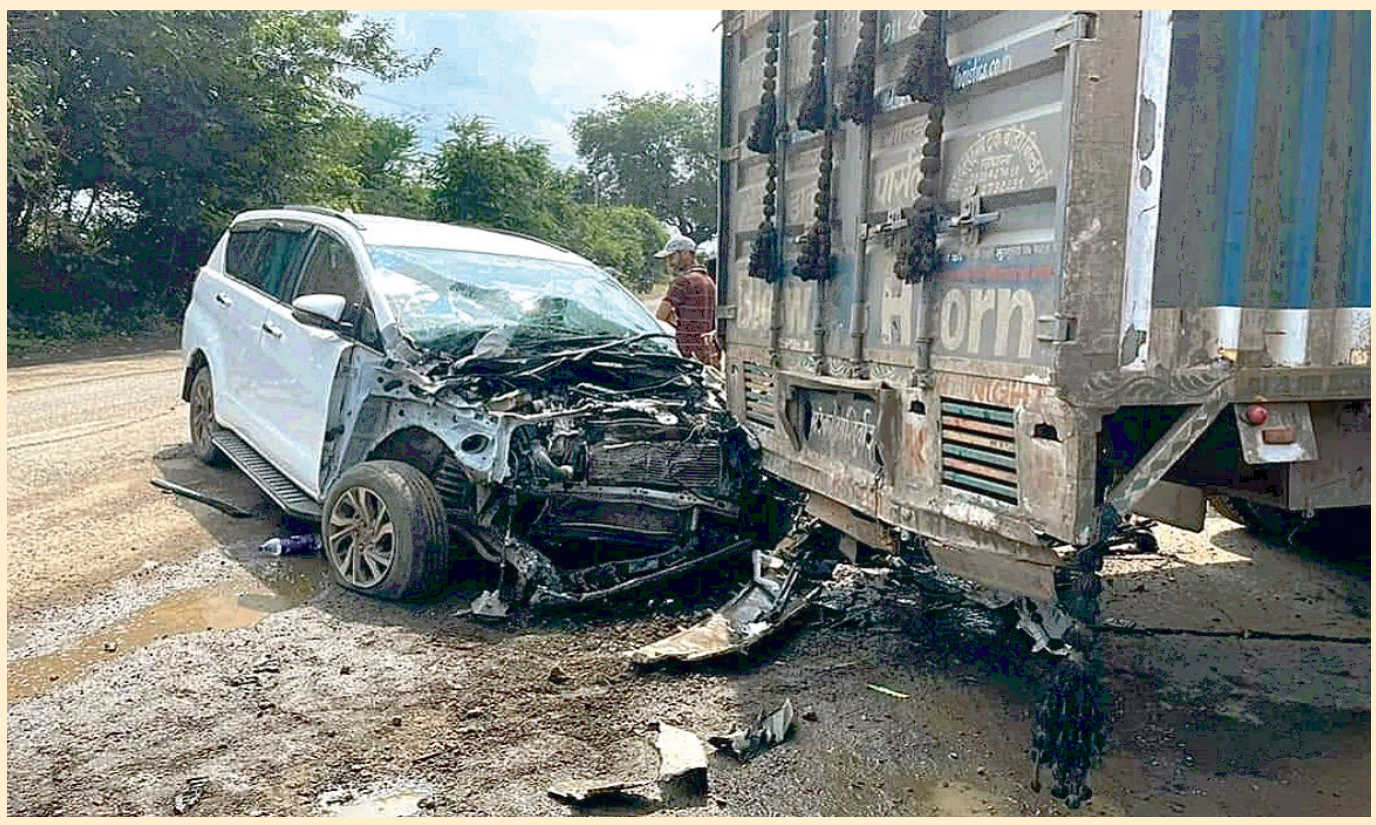

पालघर। जिले के मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर रविवार को एक कार ने एक ट्रक को टक्कर मार दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसे में एक शिशु सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए है। अधिकारी ने बताया कि एक परिवार के सात सदस्य कार से मुंबई से गुजरात में वलसाड जिले के भिलाड जा रहे थे, तभी कासा थाना क्षेत्र में एक मंदिर के निकट पूर्वाह्न करीब पौने बारह बजे यह हादसा हुआ।

पालघर पुलिस के प्रवक्ता सचिन नवाडकर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''मृतकों की पहचान नरोत्तम राठौड़ (65), उनके पुत्र केतन राठौड़ (32), एक साल के बच्चे आरवी राठौड़ के रूप में हुई है। घायलों की पहचान कार चला रहे दीपेश राठौड़ (35), तेजल राठौड़ (32), मधु राठौड़ (58) और ढाई साल की बच्ची स्नेहल राठौड़ के रूप में हुई है।'' उन्होंने बताया कि घायलों का अभी तक बयान नहीं लिया जा सका है, इसलिए पुलिस ने अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया है।

Tamil Nadu की राजनीति में दखल देना राज्यपाल के लिए अनुचित : द्रमुक

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि की कथित 'थमिझगम' टिप्पणी को लेकर नाराजगी जताते हुए सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने रविवार को उन पर विकासात्मक पहलों पर ध्यान देने के बदले राज्य की राजनीति में अनावश्यक रूप से हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया। इसके विपरीत, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रवि की टिप्पणी को सही ठहराते हुए कहा कि 'थमिझगम' शब्द राज्य में आम उपयोग में है और द्रमुक अनावश्यक रूप से उन्हें निशाना बना रही है क्योंकि उन्होंने 'एनईईटी' विधेयक पर सरकार से सवाल किया था। द्रमुक के संगठन सचिव आर. एस. भारती ने कहा, "राज्यपाल कुछ ऐसा करने की कोशिश कर रहे हैं जो उनके राज्यपाल पद के अनुकूल नहीं है। वह द्रमुक सरकार की विकासात्मक पहलों को महत्व देने के बदले राजनीति के बारे में बात करना चाहते हैं।"

वरिष्ठ अधिवक्ता भारती ने पीटीआई-से कहा कि राज्य की राजनीति में हस्तक्षेप करना राज्यपाल के लिए उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर रवि राजनीति के बारे में बात करना चाहते हैं तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। भारती ने दावा किया, "वह केवल किसी कॉलेज में व्याख्याता होने के लायक हैं। वह सरकारी विधयकों पर बैठे हैं और गैर-जरूरी मामलों में हस्तक्षेप कर रहे हैं, जो एक व्यवस्थित राज्य में फूट पैदा कर रहा है। वह तमिलनाडु में सद्भाव को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं।" काशी तमिल संगमम के आयोजकों और स्वयंसेवकों के सम्मान मेंराजभवन में चार जनवरी को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रवि ने कथित तौर पर टिप्पणी की थी कि 'थमिझगम' तमिलनाडु के लिए अधिक उपयुक्त नाम है। उन्होंने कार्यक्रम में कहा था, "यहां तमिलनाडु में, एक अलग तरह का विमर्श बनाया गया है।

ब्रीफ न्यूज

उच्चतम न्यायालय द्वारा घोषित बालिग के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

उच्चतम न्यायालय के 2018 के आदेश के अनुसार, पठानकोट की सत्र अदालत इस मामले की सुनवाई करेगी और अपीलीय अदालत पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय होगी। अपराध शाखा द्वारा उच्चतम न्यायालय के 22 नवंबर के आदेश की अनुपालना करते हुए संगरा को बाल सुधार गृह से नियमित कठुआ जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था।

जम्मू/नयी दिल्ली। जम्मू कश्मीर पुलिस की अपराध शाखा ने 2018 में कठुआ में आठ साल की बच्ची के सामूहिक दुष्कर्म और हत्या से जुड़े एक मामले में शुभम संगरा के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोपपत्र दाखिल कर दिया है जिसे उच्चतम न्यायालय ने बालिग घोषित किया था। इस मुकदमे के पड़ोसी राज्य पंजाब के पठानकोट में शुरू होने की उम्मीद है जैसा कि 2018 में उच्चतम न्यायालय ने आदेश दिया था। अपराध शाखा ने हत्या, दुष्कर्म, अपहरण और गलत तरीके से बंधक बनाने समेत विभिन्न आरोपों में अपना आरोपपत्र कठुआ में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष दाखिल कर दिया। आरोपपत्र कठुआ में सत्र अदालत को सौंपा गया जिसने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 24 जनवरी की तारीख तय की है। उच्चतम न्यायालय के 2018 के आदेश के अनुसार, पठानकोट की सत्र अदालत इस मामले की सुनवाई करेगी और अपीलीय अदालत पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय होगी। अपराध शाखा द्वारा उच्चतम न्यायालय के 22 नवंबर के आदेश की अनुपालना करते हुए संगरा को बाल सुधार गृह से नियमित कठुआ जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था। इसी आदेश में शीर्ष अदालत ने उसे वयस्क घोषित किया गया था। अपराध शाखा के आरोपपत्र में संगरा के इस जघन्य अपराध में कथित संलिप्तता के बारे में विस्तार से बताया गया है। इसने कहा कि संगरा आठ साल की बच्ची को बेहोशी की दवा की अधिक खुराक जबरन देने के लिए जिम्मेदार था, जिससे बच्ची यौन हमले के साथ ही हत्या का विरोध करने में अक्षम हो गई। आरोपपत्र में एक चिकित्सा विशेषज्ञ के हवाले से कहा गया था, उसे 11 जनवरी, 2018 को जबरदस्ती 0.5 मिलीग्राम क्लोनज़ेपम की पांच गोलियां दी गईं, जो सुरक्षित चिकित्सीय खुराक से अधिक है। इसके बाद और अधिक गोलियां दी गईं... ओवरडोज के संकेतों और लक्षणों में उनींदापन, भ्रम, धीमी सजगता, धीमी सांस या सांस लेना बंद कर देना, कोमा (चेतना का नुकसान) और मृत्यु तक शामिल हो सकता है। डॉक्टरों की राय थी कि बच्ची को दी जाने वाली ये गोलियां उसे सदमे या कोमा की स्थिति में धकेल सकती थीं। तीन अन्य आरोपियों - सब इंस्पेक्टर आनंद दत्ता, हेड कांस्टेबल तिलक राज और विशेष पुलिस अधिकारी सुरेंद्र वर्मा - को अपराध पर पर्दा डालने के लिए सबूत नष्ट करने का दोषी ठहराया गया और पांच साल की जेल और प्रत्येक पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। वे पैरोल पर बाहर हैं।

'भारत जोड़ो यात्रा' भय और नफरत के खिलाफ है : राहुल गांधी

एनटीवी संवाददाता

राहुल गांधी ने कहा कि यात्रा का एक मकसद यह भी है कि लोग देश की वास्तविक आवाज को सुनें। कुरुक्षेत्र के नजदीक समाना में मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, '' भारत जोड़ो यात्रा को हर जगह शानदार प्रतिक्रिया मिली है।'' तमिलनाडु के कन्याकुमारी से कश्मीर तक निकाली गई यह यात्रा इस समय हरियाणा से गुजर रही है

कुरुक्षेत्र। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि उनके नेतृत्व में जारी 'भारत जोड़ो यात्रा' को देश में हर जगह लोगों की शानदार प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी पदयात्रा भय और नफरत के खिलाफ है, जो समाज में फैलाई जा रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि यह यात्रा बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ भी है। राहुल गांधी ने कहा कि यात्रा का एक मकसद यह भी है कि लोग देश की वास्तविक आवाज को सुनें। कुरुक्षेत्र के नजदीक समाना में मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, '' भारत जोड़ो यात्रा को हर जगह शानदार प्रतिक्रिया मिली है।'' तमिलनाडु के कन्याकुमारी से कश्मीर तक निकाली गई यह यात्रा इस समय हरियाणा से गुजर रही है। इस बारे में पूछे जाने पर गांधी ने कहा कि उन्होंने इस यात्रा के दौरान बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने कहा, ''देश के दिल में क्या है वह सीधे तौर पर लोगों से संवाद कर सुनने को मिला।

यात्रा को हरियाणा में बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। यह प्रतिक्रिया ऊर्जा और उत्साह से लवरेज है।'' यात्रा के आलोचकों पर हमला करते हुए गांधी ने कहा कि जब इसकी शुरुआत हुई थी '' तब लोगों ने कहा था कि जो प्रतिक्रिया केरल में मिली, वैसी प्रतिक्रिया कर्नाटक में नहीं मिलेगी, जहां पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का शासन है;लेकिन हमें उससे (केरल) भी अच्छी प्रतिक्रिया वहां (कर्नाटक) मिली। फिर जब यात्रा महाराष्ट्र पहुंची तो लोगों ने कहा कि जिस तरह का उत्साह दक्षिण भारत में देखने को मिला वह इस पश्चिमी राज्य में नहीं देखने को मिलेगा। जब हम महाराष्ट्र पहुंचे तो दक्षिण से भी बेहतर प्रतिक्रिया मिली।'' राहुल गांधी ने कहा, '' तब कहा गया कि यात्रा जब हिंदी भाषी क्षेत्रों से गुजरेगी तब लोगों की अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिलेगी, लेकिन मध्य प्रदेश में पहले से भी अच्छा माहौल मिला।

जब हम हरियाणा पहुंचे तो कहा गया कि यह भाजपा शासित राज्य है, लेकिन यहां मिली प्रतिक्रिया शानदार रही। हम जैसे-जैसे बढ़ रहे हैं, लोगों का समर्थन बढ़ रहा है।'' एक सवाल के जवाब में गांधी ने कहा, ''भारत की आवाज को दबाया जा रहा है और नफरत व भय फैलाया जा रहा है। एक जाति को दूसरी जाति के खिलाफ, एक धर्म को दूसरे धर्म के खिलाफ किया जा रहा है और यह यात्रा इसके खिलाफ है।'' उन्होंने कहा कि इस यात्रा के अन्य उद्देश्यों को जो हम देख रहे हैं, वह 'तपस्या' की तरह है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''हम अपने देश से, लोगों से, किसानों से और गरीबों से प्यार करते हैं और हम उनके साथ चलना चाहते हैं। इसलिए इस यात्रा का उद्देश्य इस देश के लोगों की वास्तविक आवाज को भी सुनना है।'' उन्होंने कहा कि देश में आर्थिक असमानता है और धन, मीडिया और अन्य संस्थानों को कुछ लोगों द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है। गांधी ने कहा कि यह यात्रा बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ है।

असम में 18 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त, दो गिरफ्तार

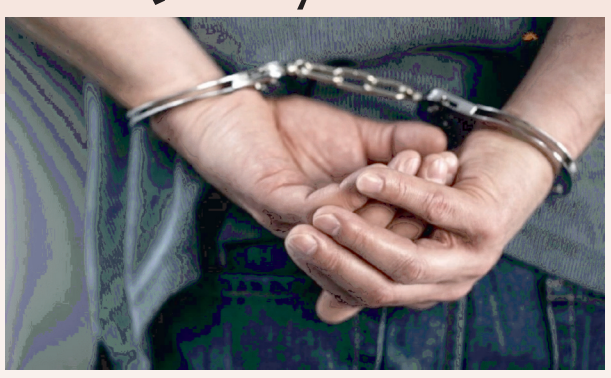

एनटीवी संवाददाता

सुबह करीब साढ़े दस बजे एक पिक-अप वैन को रोका गया और जांच के दौरान 286 साबुनदानी में पैक 3 .5 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई। जब्त किए गए प्रतिबंधित पदार्थ की कीमत करीब 18 करोड़ रुपये आंकी गई है। एसपी ने कहा कि इस सिलसिले में बारपेटा जिले से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

दिफू। असम के कार्बी आंगलोंग जिले में रविवार को एक वाहन से लगभग 18 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त करने के बाद दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि असम पुलिस और सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम ने एक संयुक्त अभियान के दौरान गिरफ्तारियां कीं और जब्ती की। कार्बी आंगलोंग के पुलिस अधीक्षक (एसपी) संजीब कुमार सैकिया ने कहा, "मादक पदार्थों की तस्करी के प्रयास की विशेष जानकारी के आधार पर दिलई तिनियाली में नाकाबंदी की गई थी।"

उन्होंने कहा कि सुबह करीब साढ़े दस बजे एक पिक-अप वैन को रोका गया और जांच के दौरान 286 साबुनदानी में पैक 3.5 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई। जब्त किए गए प्रतिबंधित पदार्थ की कीमत करीब 18 करोड़ रुपये आंकी गई है। एसपी ने कहा कि इस सिलसिले में बारपेटा जिले से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सैकिया ने कहा कि वाहन मणिपुर से आ रहा था और यह पता लगाने के लिए खेप कहां जा रही थी जांच की जा रही है। तस्करी को नाकाम करने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ट्वीट कर असम पुलिस को बधाई दी।

गुलाम नबी आजाद अपने ही नेताओं के बीच खो रहे अपनी चमक, कई भरोसेमंदों ने छोड़ा साथ

एनटीवी संवाददाता

कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता, राज्यसभा सांसद और विपक्ष के नेता रहे गुलाम नबी आजाद को नई पार्टी डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी का निर्माण करने के बाद अधिक सफलता नहीं मिली है। गुलाम नबी आजाद और उनकी पार्टी का हाथ थामने वाले नेताओं ने अब गुलाम नबी आजाद का साथ छोड़ दिया है।

कांग्रेस से अलग होकर डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी का निर्माण करने वाले गुलाम नबी आजाद को बड़ा झटका लगा है। उनके साथ जुड़ने के बाद उनकी पार्टी के 17 नेताओं ने उनका साथ छोड़ दिया है। ये अधिकतर वो नेता हैं जो गुलाम नबी आजाद के बेहद खास समझे जाते थे। जिन नेताओं ने गुलाम नबी आजाद का साथ छोड़ा है उनमें पूर्व उपमुख्यमंत्री तारा चंद, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष पीरजादा मोहम्मद सईद का नाम भी शामिल है। इन नेताओं ने गुलाम नबी आजाद के कांग्रेस छोड़ने के बाद उनका साथ दिया था। मगर अब सभी 17 नेता गुलाम नबी आजाद को छोड़कर कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए है। जानकारी के मुताबिक सभी 17 नेताओं ने सात जनवरी को पार्टी में घर वापसी की है। इन नेताओं ने आरोप लगाया कि राज्य में सेक्युलर वोटों का बंटवारा कर गुलाम नबी आजाद की पार्टी से सीधे तौर पर बीजेपी को लाभ होगा। वहीं अब सवाल खड़ा हो रहा है कि किसी समय में गुलाम नबी आजाद के खास और भरोसेमंद समझे जाने वाले नेताओं ने उनसे दूरी क्यों बनाई है। इसके लिए ये जानना भी जरुरी है कि गुलाम नबी आजाद ने जम्मू कश्मीर की राजनीति को समझने में गलती की है। कश्मीर के लिए धारा 370, जमीन का अधिकार, रोजगार जैसे कई मुद्दे हैं जो काफी अहम हो जाते है।

कई फैसलों पर मत साफ नहीं

जानकारी के मुताबिक राज्यसभा सांसद और सदन में विपक्ष के नेता के तौर पर वर्ष 2019 के अगस्त में जब केंद्र सरकार ने धारा 370 को खत्म करने का फैसला किया था तो आजाद ने इस फैसले का विरोध किया था। उन्होंने एक बयान में कहा था कि धारा 370 बुरी नहीं थी। 70 वर्षों तक भारतीय संविधान का हिस्सा रहने वाली कोई धारा बुरी कैसे हो सकती है। वहीं बीते वर्ष उन्होंने एक बयान में कहा था कि वो 370 के मुद्दे से दूर रहना चाहते है। उन्होंने कहा था कि मैं लोगों को धारा 370 बहाल करने के मुद्दे पर बहला नहीं सकता।

पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के हक में आजाद

गुलाम नबी आजाद जम्मू कश्मीर को फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के हक में है। चुनावों को ध्यान में रखते हुए आजाद का रुख इस मसले पर फिर से बदल रहा है। धारा 370 लागू होने के बाद जम्मू कश्मीर से पूर्ण राज्य का दर्जा छिन गया था। इस मामले पर उन्होंने कहा था कि इस परिवर्तन से जम्मू कश्मीर के लोगों के जीवन में कोई सकारात्मक परिवर्तन देखने को नहीं मिला है।

बयानों के कारण खोया भरोसा

माना जा रहा है कि गुलाम नबी आजाद कांग्रेस से अलग होने के बाद जम्मू कश्मीर की जनता के बीच अपना विश्वास पैदा करने में असफल रहे। वो लगातार कई मुद्दों पर बोलते रहे हैं मगर उनका रुख साफ नहीं हुआ है। कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर गुलाम नबी आजाद की राय स्पष्ट नजर नहीं आती है ऐसे में ये उनके खिलाफ जाता है।

वहीं गुलाम नबी आजाद जम्मू में एक मजबूत छवि के नेता के तौर पर नहीं उभरे है। कांग्रेस पार्टी में संजय गांधी से लेकर सोनिया गांधी तक के करीबी रहे गुलाम नबी आजाद का गांधी परिवार से करीबी रिश्ता रहा है। उन्हें वर्ष 2005 से 2008 तक जम्मू कश्मीर का मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला था। इस दौरान भी वो जनता के बीच अपनी स्पष्ट छवि नहीं बना सके। वहीं कांग्रेस पार्टी से निकलने के बाद एक तरफ चर्चा थी की आजाद भाजपा का दामन थाम सकते है। हालांकि उन्होंने भाजपा का दामन नहीं थामा और अपनी नई पार्टी की स्थापना की मगर समय समय पर गुलाम नबी आजाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ झुकते नजर आए है। सदन में हुए विदाई समारोह के दौरान भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुलाम नबी आजाद को लेकर बात की थी।